संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 243
पृष्ठ 8
शनिवार
24 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जानें गर्मियों में गुड़ खाने का सही...

विचार- तब क्या होगा, हम देखेंगे...

खेल- इंग्लैंड दौरे के लिए शमी के नाम...

लकीर का फकीर बनने से कुद्ध नहीं होता, लीक से हटकर जो चलेगा वहीं कुद्ध करेगा : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज भगवान राम की नगरी अयोध्या दौरे पर हैं। निधारित समय पर सीएम योगी का हेलिकॉप्टर राम कथा पार्क पर लैंड हुआ। उसके बाद सीएम योगी हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन पूर्जन किए। बाद हनुमानगढ़ी में नवनिर्मित 5000 लोगों की क्षमता वाले हनुमत कथा मंडपम का लोकार्पण करेंगे। इस दौरान उनका संबोधन भी होगा। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या धाम में जब कोई आता है तो रामदरबार हनुमानगढ़ी और सरयू तट पर जरूर जाता है। हनुमानगढ़ी में हनुमत कथा मण्डपम बुद्धि और शक्ति का संगम बन गया है। उन्होंने कहा कि लीक से हटकर जो चलेगा वही कुछ कर पायेगा, हमे आज के अनुरूप खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि सैकड़ो वर्षो बाद हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन की रामलला दर्शन करने के लिए शोभायात्रा निकल। यह समय सनातन ध र्म के लिए महत्वपूर्ण समय है,न भूतो न भविष्यति समय है, पिछली सरकारों के लिए जो असम्भव था,वही आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार अयोध्या के वैभव को वापस दिला रही है। आज अयोध्या के नाम से लोगो के मन नया उत्साह देखने को मिलता है। अयोध्या के लिए जब हमने कार्य शुरू किया तो अयोध्यावासियों ने धैर्य का प्रदर्शन किया कोई विरोध नही हुआ,जैसे सेतु बनाने के लिए गिलहरी ने योगदान दिया वैसे ही यहां के वासियों ने योगदान दिया। गोरक्षपीठ से जब हम पिछली तीन पीढ़ियों से यहां आते थे तो यहां अव्यवस्था होती थी,अयोध्या एक गुमनामी के रूप में खुद के अस्तित्व के लिए जूझ रही थी। आज अयोध्या ने दुनिया जो दीपावली का त्योहार दिया,भगवान श्रीराम के लंका विजय से विजयदशमी होती है। हमने यहां दीपोत्सव की शुरुआत की,2020 में रामजन्मभूमि का फैसला आया। इसके बाद अयोध या राममंदिर भूमिपूजन के लिए पहली बार कोई प्रधानमंत्री यहाँ आये। इससे पहले कई बार कार्यक्रम बना लेकिन मोदी जी ने कहा सौगन्ध राम की खाई है मंदिर वही बनाएंगे,तभी आएंगे। महाकुंभ में आपने देखा जो भी सनातन धर्मावलंबी प्रयागराज आया वो अयोध्या जरूर आया,कोई भी दुनिया के किसी कोने से भारत आया तो अयोध या जरूर पहुंचा। जैसे काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन से पहले काल भैरव के दर्शन करते है,उसी तरह अयोध्या में रामलला दर्शन से पहले हनुमानगढ़ी के दर्शन करने से पुण्य फलित होता है। आज दस वर्ष बाद अयोध्या आने वाला श्रद्धालु चकित रह जाता है क्या ये वही अयोध्या है जो दस वर्ष पहले था। समारोह में हनुमानगढ़ी के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास,चारो पट्ष्टी के महंत और सरपंच सहित कई लोग कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत ज्ञानदास के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने बताया कि हनुमत कथा मंडपम अनेक विशेषताओं वाला है। इसके प्रवेश द्वार के शिखर पर हनुमंत लला की दिव्य मूर्ति है। उत्तरी व दक्षिणी कोने में जगतगुरु रामानंदाचार्य की मूर्ति और ध नुष बाण बनाए गए हैं। यह 17 हजार वर्ग फीट में विशाल सभागार एक साथ 5000 लोगों के बैठने का इंतजाम वाला है। केवल 1000 वर्ग फीट में आकर्षक मंच बना है। जिसके पीछे राम दरबार बना हुआ है। इसके 16 आधुनिक व सुविधा युक्त कमरे वाला अतिथि गृह भी है।

विकसित भारत के लिए पूर्वी भारत का विकसित होना बहुत जरूरी...

राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली में राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट 2025 को संबोधित किया, जहां उन्होंने कहा कि भारत का पूर्वोत्तर देश का सबसे विविधतापूर्ण हिस्सा है और पिछले 11 वर्षों में इस क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने समिट में कहा कि भारत दुनिया में सबसे विविधतापूर्ण राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और हमारा पूर्वोत्तर इस विविधतापूर्ण राष्ट्र का सबसे विविधतापूर्ण हिस्सा है। व्यापार से लेकर परंपरा, वस्त्र से लेकर पर्यटन तक, पूर्वोत्तर की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। मोदी ने कहा कि आज जब मैं राइजिंग नॉर्थ ईस्ट के इस भव्य मंच पर हूं तो मन में गर्व है, आत्मीयता है और अपनापन है और सबसे बड़ी बात है, भविष्य को लेकर अपार विश्वास है। अभी कुछ ही महीने पहले यहां भारत मंडपम में हमने अष्टलक्ष्मी महोत्सव मनाया था। आज हम यहां नॉर्थ ईस्ट में निवेश का उत्सव मना रहे हैं। यहां इतनी बड़ी संख्या में इंडस्ट्री लीडर्स आए हैं। यह दिखाता है कि नॉर्थ ईस्ट को लेकर सभी में उत्साह है, उमंग है और नए–नए सपने हैं। मैं सभी मंत्रालयों और सभी राज्यों की सरकारों को इस काम के लिए बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आपके प्रयासों से वहां निवेश के लिए शानदार माहौल बना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया का सबसे विविध देश कहा जाता है और हमारा नॉर्थ ईस्ट इस विविध राष्ट्र का सबसे विविध हिस्सा है३ नॉर्थ ईस्ट की विविधता इसकी बहुत बड़ी ताकत है... इसलिए नॉर्थ ईस्ट हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। अष्टलक्ष्मी के इस आशीर्वाद से नॉर्थ ईस्ट का हर राज्य कह रहा है , हम निवेश के लिए तैयार हैं, हम नेतृत्व के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए पूर्वी भारत का विकसित होना बहुत जरूरी है। नॉर्थ ईस्ट पूर्वी भारत का सबसे अहम अंग है।

लड़खड़ा गयी है देश की विदेश नीति : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को मोदी सरकार पर विदेश नीति को कमजोर करने पर आरोप लगाया और विदेशमंत्री एस जयशंकर की कार्यशैली पर भी सवाल उठायें। श्री गांधी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," श्री जयशंकर को यह जवाब देना चाहिए कि कुछ देश पाकिस्तान को भारत के बराबरी पर क्यों रख रहे हैं और एक भी देश पाकिस्तान की निंदा करने में हमारा साथ क्यों नहीं दे रहा है।" कांग्रेस नेता ने यह सवाल भी किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को भारत,पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के लिए किसने कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति लड़खड़ा गयी है। गौरतलब है कि श्री ट्रम्प लगातार कह रहे हैं कि उन्होंने भारत ,पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी और वह दोनों देशों के बीच कश्मीर मुद्दे पर भी मध्यस्थता करने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयानों में भारत और पाकिस्तान को समान स्तर पर रखा है।

राजनाथ ने मार्लेस के दोबारा आस्ट्रेलिया का रक्षा मंत्री नियुक्त करने पर बधाई दी

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रिचर्ड मार्लेस को दोबारा आस्ट्रेलिया का रक्षा मंत्री नियुक्त किये जाने पर बधाई दी है और दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग की उम्मीद जतायी है। श्री सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , " मेरे मित्र रिचर्ड मार्लेस को ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के रूप में पुनः नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई। भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमारे घनिष्ठ सहयोग को जारी रखने की आशा है।" आस्ट्रेलिया में हाल में हुए चुनावों में प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानिज की पार्टी को दोबारा सत्ता हासिल होने के बाद श्री मार्लेस को एक बार फिर से रक्षा मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- अब तक क्यों नहीं दर्ज हुई एफआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कोटा पुलिस को पिछले महीने राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता परीक्षा (नीट) के एक छात्र की आत्महत्या के मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं करने के लिए फटकार लगाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। न्यायालय ने पुलिस को यह मामला शीर्ष स्तर के प्रशासक के समक्ष उठाने का निर्देश दिया। राजस्थान सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को संबंधित पुलिस अधिकारियों को तलब किया और आत्महत्या के मामलों में एफआईआर दर्ज करने के आवश्यक निर्देश का पालन न करने पर उनसे सवाल किए। कोर्ट ने कोटा में कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के कोचिंग हब में एक छम्म्ज अभ्यर्थी की हाल ही में हुई आत्महत्या के मामले में एफआईआर दर्ज करने में विफल रहने और अमीर कुमार केस के फैसले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ केवल जांच दर्ज करने के लिए कोटा पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। इस बीच, राजस्थान की ओर से पेश हुए एएजी शर्मा ने अदालत को आश्वासन दिया कि कोटा पुलिस ने पहले ही मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

इतनी बड़ी कार्रवाई पहले कभी नहीं देखी

नक्सलवाद पर अटैक को लेकर बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि छत्तीसगढ़ में (अबूझमाड़ के जंगल में हुए ऑपरेशन में) 26–27 नक्सली मारे गए हैं, अब नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। बसवा राजू जिसपर करोड़ों का इनाम था उसे भी मारा गया है। जब से छत्तीसगढ़ में सरकार बदली है, ये और कार्रवाई तेज हो गई है... इतनी बड़ी कार्रवाई पहले कभी नहीं देखी गई... एक तरफ केंद्रीय गृह मंत्री नक्सलवाद का खात्मा कर रहे हैं, दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी आतंकवाद का खात्मा कर रहे हैं। बता दें कि बड़े संयुक्त माओवादी विरोधी अभियान में गढ़चिरौली जिले में महाराष्ट्र–छत्तीसगढ़ सीमा पर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए, एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह मुठभेड़ महाराष्ट्र पुलिस की कुलीन सी–60 कमांडो इकाई द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के समन्वय में एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध ऑपरेशन के दौरान हुई। कवांडे क्षेत्र में हाल ही में स्थापित फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) के पास नक्सली गतिविधि के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर गुरुवार दोपहर को ऑपरेशन शुरू हुआ। सीआरपीएफ कर्मियों के साथ लगभग 300 कमांडो वाली एक दर्जन सी–60 इकाइयों ने कवांडे और नेलगुंडा क्षेत्रों से आक्रमण शुरू किया। भारी वर्षा सहित चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बल इंद्रावती नदी के तट की ओर बढ़े। शुक्रवार की सुबह उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मी तलाशी ले रहे थे और नदी के किनारों पर घेराबंदी कर रहे थे। कथित तौर पर नक्सलियों ने बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके बाद सी–60 कमांडो ने त्वरित और प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद, सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से चार नक्सलियों के शव बरामद किए। एक स्वचालित सेल्फ–लोडिंग राइफल, दो .303 राइफल, एक भारमार बंदूक, वॉकी–टॉकी, कैंपिंग गियर, माओवादी प्रचार सामग्री और अन्य सामान सहित हथियारों और उपकरणों की एक श्रृंखला भी जब्त की गई। यह मुठभेड़ पड़ोसी छत्तीसगढ़ में दो दिन पहले ही एक अन्य महत्वपूर्ण माओवादी विरोधी अभियान के बाद हुई है, जहां शीर्ष नेता बसवराजू सहित 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। पूर्वी महाराष्ट्र में स्थित गढ़चिरौली लंबे समय से माओवादी विद्रोह का केंद्र रहा है।

दिल्ली पुलिस ने 121 अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को पकड़ा, डिटेंशन सेंटर भेजा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। अवैध अप्रवास पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक कार्रवाई के तहत, दिल्ली पुलिस की एक विशेष टीम ने राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रह रहे 121 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार कर हिरासत केंद्र में भेज दिया है। विशेष टीम ने आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर ली हैं और विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (थ्रत्त्व) के माध्यम से निर्वासन आदेश जारी कर दिए हैं। इन व्यक्तियों को, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो अपने वीजा की अवधि से अधिक समय तक रुके रहे या बिना वैध दस्तावेजों के प्रवेश कर गए, डीसीपी आउटर नॉर्थ निधिन वलसन ने बताया कि जब से भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ अभियान शुरू हुआ है, तब से 831 लोगों को सत्यापन के लिए संदिग्ध सूची में रखा गया है। पिछले सप्ताह पुलिस अधिकारियों की एक टीम ने 121 बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया।

गढ़चिरौली में हुआ बड़ा एनकाउंटर, सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों को किया ढेर

मुंबई, एजेंसी। बड़े संयुक्त माओवादी विरोधी अभियान में गढ़चिरौली जिले में महाराष्ट्र–छत्तीसगढ़ सीमा पर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में चार नक्सली मारे गए, एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। यह मुठभेड़ महाराष्ट्र पुलिस की कुलीन सी–60 कमांडो इकाई द्वारा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के समन्वय में एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध ऑपरेशन के दौरान हुई। कवांडे क्षेत्र में हाल ही में स्थापित फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) के पास नक्सली गतिविधि के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर गुरुवार दोपहर को ऑपरेशन शुरू हुआ। सीआरपीएफ कर्मियों के साथ लगभग 300 कमांडो वाली एक दर्जन सी–60 इकाइयों ने कवांडे और नेलगुंडा क्षेत्रों से आक्रमण शुरू किया। भारी वर्षा सहित चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद बल इंद्रावती नदी के तट की ओर बढ़े। शुक्रवार की सुबह उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मी तलाशी ले रहे थे और नदी के किनारों पर घेराबंदी कर रहे थे। कथित तौर पर नक्सलियों ने बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसके बाद सी–60 कमांडो ने त्वरित और प्रभावी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद, सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से चार नक्सलियों के शव बरामद किए। एक स्वचालित सेल्फ–लोडिंग राइफल, दो .303 राइफल, एक भारमार बंदूक, वॉकी–टॉकी, कैंपिंग गियर, माओवादी प्रचार सामग्री और अन्य सामान सहित हथियारों और उपकरणों की एक श्रृंखला भी जब्त की गई। यह मुठभेड़ पड़ोसी छत्तीसगढ़ में दो दिन पहले ही एक अन्य महत्वपूर्ण माओवादी विरोधी अभियान के बाद हुई है, जहां शीर्ष नेता बसवराजू सहित 27 माओवादियों को सुरक्षा बलों ने मार गिराया था। पूर्वी महाराष्ट्र में स्थित गढ़चिरौली लंबे समय से माओवादी विद्रोह का केंद्र रहा है।

दुनिया के सामने बेनकाब हो गया पाकिस्तान, ऑपरेशन सिंदूर पर बोले अमित शाह, बीएसएफ ने गोली का जवाब गोले से दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सीमा पार आतंकवाद में पाकिस्तान की संलिप्तता दुनिया के सामने उजागर हो गई है और कहा कि भारत ने इस महीने की शुरुआत में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकी संगठनों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

रुस्तमजी मेमोरियल लेक्चर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अलंकरण समारोह में बोलते हुए शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारे प्रधानमंत्री की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, हमारी खुफिया एजेंसियों से सटीक जानकारी और सेना की मारक क्षमता का अद्भुत प्रदर्शन था। तीनों के एक साथ आने से ऑपरेशन सिंदूर का निर्माण हुआ। शाह ने कहा कि हमारा देश कई दशकों से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का सामना कर रहा है।

पाकिस्तान ने कई वर्षों से कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है, लेकिन उसे उचित जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार बनी और पहला बड़ा हमला उरी में हमारे सैनिकों पर हुआ, उन्हें जिंदा जलाने का दुस्साहस किया और हमने उरी के तुरंत बाद सर्जिकल स्ट्राइक करके पहली बार आतंकी ठिकानों में घुसकर आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया।

दिल्ली-एनसीआर में कोरोना की एंट्री

गुरुग्राम, फ़रीदाबाद में तीन लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

दक्षिण–पूर्व एशिया में कोविड–19 के मामलों में उछाल के बाद, भारत में भी हाल के हफ्तों में कोविड–19 के नए मामले देखे गए हैं, जिनमें से ज़्यादातर मामले केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु से रिपोर्ट किए गए थे लेकिन अब इसकी रीच बढ़ गयी है दिल्ली एनसीआर में भी कोरोना के मरीजों को दर्ज किया गया है। हालाँकि, ज़्यादातर मामले हल्के हैं और गंभीरता या मृत्यु दर से जुड़े नहीं हैं। हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद में कोविड–19 के कम से कम तीन मामले सामने आए हैं, एक अधिकारी ने गुरुवार (22 मई) को इसकी पुष्टि की। गुरुग्राम से कोरोना वायरस के दो और फरीदाबाद से एक मामला सामने आया। गुरुग्राम में हाल ही में मुंबई से लौटी 31 वर्षीय महिला में संक्रमण की पुष्टि हुई। बिना किसी यात्रा इतिहास वाले 62 वर्षीय व्यक्ति में भी संक्रमण की पुष्टि हुई। दोनों मरीजों को आइसोलेट कर दिया गया है। फरीदाबाद में पल्ला इलाके के सेहतपुर निवासी 28 वर्षीय व्यक्ति जो सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर काम करता है, कोविड संक्रमित पाया गया। पिछले कई दिनों से बुखार, खांसी और जुकाम से पीड़ित होने के बाद वह इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल गया था। वहां कराए गए कोरोना टेस्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग के डॉ. जेपी राजलीवाल ने बताया, ष्गुरुग्राम में दोनों मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग उन पर नजर रख रहा है। उन्हें अपने परिवार से दूर रहने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य विभाग उनके संपर्क में आए लोगों की पहचान कर रहा है, ताकि उनके सैंपल की भी जांच की जा सके।ष फरीदाबाद मामले में स्वास्थ्य विभाग ने सफदरजंग अस्पताल प्रबंधन को पत्र लिखकर संक्रमित व्यक्ति के गले की लार के सैंपल उपलब्ध कराने को कहा है। फरीदाबाद जिला स्वास्थ्य विभाग के डॉ. रामभगत ने बताया, ष्रिपोर्ट आने के बाद वैरिएंट की पुष्टि होगी। फिलहाल युवक और उसका पूरा परिवार स्वस्थ है।

तेरहवीं में ससुराल गए युवक को साले ने पीटा

प्रयागराज। कीडगंज अपने परिवार के साथ ससुराल में तेरहवीं में शामिल होने गए एक युवक की उसके साले ने अपने साथियों के साथ मिलकर पिटाई कर दी। नाते–रिश्तेदारों ने किसी तरह बीच–बचाव किया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट के आरोपी बृजेश व उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अल्लापुर के बाघम्बरी गद्दी निवासी प्रदीप कुमार मोदनवाल की तहरीर के अनुसार 20 मई को परिवार के साथ ससुराल तेहरवीं में शामिल होने गया था। आरोप है पुरानी रंजिश में उसका साला बृजेश अपने बेटे व तीन अन्य के साथ मिलकर मारपीट करने लगा। पीड़ित की पत्नी ने रोकने की कोशिश की, तो आरोपित लोहे की रॉड से सिर पर प्रहार कर लहूलुहान कर दिया। साथ ही जान से मारने की धमकी दी है।

होटल कर्मचारी पर चोरी का आरोप, एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के एक होटल के कर्मचारी पर चोरी के आरोप में एफआईआर दर्ज हुई है। होटल मालिक वैभव गोस्वामी ने की तहरीर के अनुसार होटल में एक परिवार की ओर से पार्टी आयोजित की गई थी। इस दौरान होटल का कर्मचारी फैजल खान एक लाख 45 हजार रुपये और मेकअप का सामान चोरी कर लिया। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच में फैजल खान चोरी करते हुए दिखा है। उसने चोरी की घटना को कबूल भी की है। इसके बाद वह अपनी बाइक छोड़कर भाग किया। होटल मालिक का कहना है कि उसने पहले भी कई बार छोटी–मोटी चोरी की थी, लेकिन माफी मांगने पर सुधरने का मौका दिया गया था। थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है।

बकरी चराने गए किशोर का शव यमुना में मिला, हत्या की आशंका

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के कंजासा गांव के समीप शुक्रवार की सुबह यमुना में किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम को भेजा। वहीं तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। कंजासा गांव निवासी सिपाही निषाद का पुत्र 13 वर्षीय रोहित निषाद गुरुवार की शाम बकरी चराने निकला था। वह घंटों बाद भी जब घर नहीं लौटा, तो परिजन व्याकुल हो गए। देर रात तक परिजन रोहित की तलाश करते रहे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। दूसरे दिन शुक्रवार की सुबह गांव के समीप यमुना में रोहित का शव मिलने की सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। दहाड़े मारते हुए परिजन यमुना किनारे पहुंच गए। देखते ही देखते ग्रामीणों की भी भीड़ जुट गई। परिजनों ने हत्या की आशंका व्यक्त किया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू की। एसीपी कौंधियारा विवेक यादव ने बताया कि मृतक के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। हालांकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अधिवक्ता की छवि धूमिल करने का प्रयास

प्रयागराज। सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर एक अधिवक्ता की छवि धूमिल करने का मामला प्रकाश में आया है। अधिवक्ता मनीष तिवारी को जब इसकी जानकारी हुई, तो उन्होंने पुलिस से शिकायत की। कर्नलगंज थाने की पुलिस तहरीर के आधार पर नामजद एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। थरवई के दामोदर उर्फ तिवारीपुर निवासी अधिवक्ता मनीष कुमार तिवारी की तहरीर के अनुसार बीते 23 अप्रैल दोपहर लगभग एक बजे जिला कचहरी परिसर स्थित अपने चेंबर में बैठे थे। तभी सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो से जानकारी मिली कि सुनील कुमार पांडेय नाम का एक व्यक्ति उनकी छवि खराब करने की नियत से कूटरचित वीडियो प्रसारित कर रहा है। आरोपी ने अधिवक्ता के परिचितों को भी वीडियो शेयर किया है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

पहले सेमेस्टर में कम अंक मिलने से परेशान था निलेश

प्रयागराज। छत्तीसगढ़ के सेनेरिया जांजगीर निवासी निकेश कुमार रोहिदास ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) में पिछले साल बीटेक कंप्यूटर साइंस में प्रवेश लिया था। बीटेक प्रथम सेमेस्टर में उसको 10 में से 4.2 सीजीपीए मिले थे, जो काफी कम है। सीएस विभाग से जुड़े सूत्रों की मानें तो पूरक परीक्षा (सप्लीमेंटरी) देकर पढ़ाई में कमजोर बच्चे भी छह सीजीपीए प्राप्त कर लेते है, लेकिन निलेश के प्रथम सेमेस्टर में 4.2 सीजीपीए होने से काफी परेशान रहता था। छात्रों के बीच चर्चा थी कि यह परेशानी कई बार अपने साथियों से भी कही थी। इस पर कुछ छात्रों ने उसे दूसरे क्षेत्र में कॅरियर चुनने का सुझाव भी दिया था। द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाओं में वह शामिल होने लगा, परीक्षा के बाद सीधे छात्रावास के कमरे में चला जाता था। छात्रों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गुमसुम रहने लगा था। गुरुवार को परीक्षा का आखिरी दिन था। इसलिए बुधवार शाम निकेश भी घर जाने के लिए कपड़ा पैक किया। गुरुवार सुबह साढ़े नौ से 12 बजे के मध्य परीक्षा थी। हॉस्टल में वह दो अन्य साथियों के साथ रहता था। एक छात्र सुबह नौ बजे से कमरे से परीक्षा देने के लिए निकल गया, दूसरा छात्र तकरीबन 9.20 बजे निकल गया, इस दौरान निकेश भी परीक्षा देने के लिए तैयार हो रहा था। लेकिन वह परीक्षा देने नहीं गया। सुबह साढ़े नौ से 12 बजे के बीच फांसी लगाकर जान दे दी। सहपाठी परीक्षा के बाद कमरे में आए और निकेश ने कमरा नहीं खोला तब हड़कंप मचा और जब दरवाजा तोड़ा गया, तो उसकी सांसे थम चुकी थी।

गंगा अवतरण का वृतांत सुनाने का जिम्मा संभालेंगी बेटियां

प्रयागराज, संवाददाता। इस वर्ष पांच जून को गंगा दशहरा मनाया जाएगा। जिसे जय त्रिवेणी जय आरती सेवा समिति ने 10 दिवसीय महोत्सव के रूप में भव्यता के साथ मनाने की योजना बनाई है। गंगा मैया के अवतरण का वृतांत समिति की 10 कन्याएं सुनाने जा रही हैं, बल्कि प्रतिदिन समिति के जगदीश रैंप घाट पर गंगा की महाआरती भी करेंगी। इन कन्याओं में 10वीं से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट कर रहीं छात्राएं शामिल हैं। समिति के अध्यक्ष पं. प्रदीप पांडेय की देखरेख में रोज शाम को आरती स्थल पर इन कन्याओं को महोत्सव में दी गई बड़ी जिम्मेदारी के लिए तैयार किया जा रहा है। ताकि महोत्सव में आने वाले हजारों श्रद्धालुओं के बीच गंगा आरती को लेकर कोई व्यवधान ना उत्पन्न हो सके। 10 दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ 27 मई को गंगा मैया की मूर्ति स्थापना और गंगा आरती के साथ होगा। इसका समापन पांच जून को गंगा दशहरा पर्व पर होगा।

शहर के हर कोने में कुत्ते खूंखार

प्रयागराज। तापमान बढ़ने के साथ ही शहर की सड़कों और गलियों में कुत्ते आक्रामक हो चले हैं और लोगों पर हमला करने लगे हैं। शहर के कई इलाकों में कुत्तों के झुंड मुसीबत पैदा कर रहे हैं। छोटे बच्चे हों या बड़े ये किसी को भी निशाना बना लेते हैं। इस बात की तस्दीक सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज वैक्सीन (एआरवी) लगवाने वालों की संख्या करती है। शहर का चाहे कॉल्विन अस्पताल हो या बेली हॉस्पिटल यहां रोजना सौ से अधिक लोग एआरवी लगवाने आ रहे हैं। इन आवारा कुत्तों से परेशान लोगों का कहना है कि अगर इनके व्यवहार में बदलाव आ रहा है और ये आक्रामक हो रहे हैं तो इनकी धरपकड़ बेहद जरूरी है।

शहर में कुत्तों की लगातार बढ़ रही संख्या और उनके आक्रामक व्यवहार के बावजूद नगर निगम के जिम्मेदारों की अनदेखी तमाम सवालों को जन्म दे रही है। आसमान से बरस रही आग और लगातार बढ़ रहा तापमान शहर की विभिन्न बस्तियों में ठिकाना बनाए आवारा कुत्तों को रास नहीं आ रहा है। गर्मी बढ़ने के साथ ही कुत्तों के व्यवहार में काफी परिवर्तन आ रहा है। भूखे– प्यासे और गर्मी से व्याकुल कुत्ते अचानक राह चलते लोगों पर हमला कर देते हैं। सुबह स्कूल जाने और दोपहर में घर लौटने वाले स्कूली बच्चे इनके झुंड को देख डरे सहमे रहते हैं। रामबाग, बहादुरगंज आदि इलाकों में बाइक सवारों के गुजरने पर कुत्ते काटने के लिए दौड़ा लेते हैं । इनके हमले से बचने के प्रयास में तमाम बाइक सवार गिरकर चोटिल हो चुके हैं। यह समस्या किसी एक इलाके की न होकर लगभग शहर के सभी हिस्सों की है लेकिन मनमोहन पार्क चौराहा, हाईकोर्ट पानी की टंकी, रामबाग प्रयाग संगीत समिति के निकट, बहादुरगंज ईदगाह का इलाका ऐसा डेंजर जोन बना है जहां रात में निकलना बेहद जोखिम भरा साबित होता है। लोगों का कहना है कि पहले नगर निगम की गाड़ी आती थी और आवारा कुत्तों को पकड़ कर ले जाती थी लेकिन अब निगम के जिम्मेदार इस गंभीर समस्या को लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं जिससे समस्या जटिल होती जा रही है। बेहद जरूरी है एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाना डॉक्टरों के अनुसार कुत्तों के

काटने पर एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाना जरूरी है। रैबीज से बचाव के लिए कुत्ता काटने के चौबीस घंटे के भीतर एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाकर इसके खतरे से बचा जा सकता है। कुत्ते के काटने पर रैबीज का संक्रमण फैलने के समय में अलग–अलग लोगों में अंतर होता है। कुछ लोगों में तीन दिन में इसका असर दिखने लगता है। रैबीज के किटाणु शरीर में प्रवेश करने के बाद तीन दिन, तीन माह और दो वर्ष बाद तक अपना असर दिखा सकता है। लिहाजा एंटी रैबीज वैक्सीन ही इसका एकमात्र बचाव है। यह इंजेक्शन बेली और कॉल्विन अस्पताल की ओपीडी में निरूशुल्क लगाया जाता है। चिकित्सा सेवा से जुड़े जानकारों का कहना है कि रैबीज का कोई प्रभावी उपचार नहीं है। एक बार एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाने के बाद समय–समय पर निश्चित इंजेक्शन लगवाना जरूरी होता है। रोजाना ढाई सौ लोग बने कुत्तों के शिकार गर्मी से कुत्ते खूंखार हो रहे हैं। शहर के बेली व कॉल्विन में शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग एंटी रैबीज का इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। बेली अस्पताल में अप्रैल में रोजाना औसत 130 और कॉल्विन हॉस्पिटल में 115 लोग एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाने ओपीडी में आए। मई माह में भी लोगों के आने का क्रम इसी तरह बना हुआ है। नहीं निकलता पसीना, अधिक गर्म हो जाता है शरीर डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी बढ़ने के कारण कुत्ते अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक खूंखार हो जाते हैं। साथ ही लू के थपेड़ों की वजह से कुत्तों में चिड़चिड़ापन आ जाता है जिससे वह हमलावर हो जाते हैं। पशु चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अजय कुमार बरनवाल ने बताया कि कुत्तों में पसीना निकलने वाला ग्रंथि नहीं होती है, जिसके कारण उसका शरीर अधिक गर्म हो जाता है। इन्हें तापमान नियंत्रित होना मुश्किल हो जाता है। इसलिए जीभ निकालकर गर्मी को दूर करने का उपाय करते हैं। जमीन गर्म होने से कुत्तों के पैर का तलुवा भी जलता है और पैर में छाले पड़ जाते हैं। कॉर्टिसोल हारमोंस के कारण उनका व्यवहार बदल जाता है। वह हिंसक और आक्रामक हो जाते हैं। परेशान होकर कुत्ते कीचड़, नाली और पानी भरे स्थान पर घंटों बैठकर शरीर को ठंडा करने का जुगत ढूंढते हैं। इस दौरान इनसे दूर रहना ही समझदारी है, इन्हें छेड़ने से बचना चाहिए। शिकायतें 1. गर्मी में स्ट्रीट डॉग हिंसक होते जा रहे हैं और लोगों को काट रहे हैं। 2. सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं रहता। 3. नगर निगम समस्या बन चुके आवारा कुत्तों की धर पकड़ नहीं करा रहा है । 4. कुत्तों का बंध्याकरण न होने से इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सुझाव 1. हिंसक होते जा रहे स्ट्रीट डॉगों की पहचान कर इनकी धर पकड़ की जाए। 2. सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाए। 3. नगर निगम को आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जाना चाहिए। 4. वृहद स्तर पर आवारा कुत्तों का बंध्याकरण किया जाए तो काफी सहूलियत मिल जाएगी।

गर्मी बढ़ते ही कुत्ते खूंखार होते जा रहे है और लोगों को काट रहे हैं। छोटे बच्चों को इनसे अधिक खतरा रहता है। इनकी संख्या बढ़ रही है इसलिए इनका बंध्याकरण जरूरी है।–विकास श्रीवास्तव कुत्ते आते जाते लोगों को काटने के लिए दौड़ा लेते हैं, कई लोगों को काट भी चुके हैं। पहले निगम की गाड़ी आती थी और इन्हें पकड़कर ले जाती थी, अब गाड़ी नहीं आती।–राजू गर्मी से कुत्ते परेशान हैं और लोगों पर हमला कर रहे हैं। कई बाइक सवार इनके दौड़ाने पर गिरकर घायल हो चुके हैं। कुत्ते आए दिन लोगों को काटने के लिए दौड़ाते रहते हैं।– गोलू शहर में कुत्तों की तादात लगातार बढ़ रही है और कुत्ते अब खूंखार हो रहे हैं। इनको पकड़कर बंध्याकरण कराना नगर निगम का काम है जो अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहा है।–पिंटू छोटे बच्चे घर से खेलने के लिए निकलते हैं तो डर बना रहता है। कुत्ते गली और सड़क पर इकट्ठा होकर आपस में लड़ते रहते है, अचानक लोगों पर हमला कर देते हैं।–सुजीत पाल गर्मी जैसे जैसे बढ़ रही है कुत्ते आक्रामक होते जा रहे हैं। इनकी संख्या भी दिनोंदिन बढ़ रही है जो लोगों के लिए परेशानी खड़ी कर रही है। इनकी धर पकड़ जरूरी है।–विजय आवारा कुत्तों के कारण लोग परेशान रहते हैं। कब किसको काट लें कोई नहीं जानता। सड़क के किनारे बैठे कुत्ते अचानक बाइक चालकों को काटने के लिए दौड़ा लेते हैं।–मनोज यादव कुत्ते कई लोगों को काट चुके हैं जिससे लोग डरे रहते हैं। इनसे लोग परेशान हो चुके हैं। छोटे बच्चे तो इनके डर के कारण खेलने के लिए भी नहीं निकल पा रहे हैं।–संतोष कुमार लोग कुत्तों को न छेड़ें तो ये हमला नहीं करेंगे। बाकी इन्हें पकड़ना नगर निगम का काम है, नगर निगम क्या कर रहा है इसके बारे में निगम के जिम्मेदार ही बता सकते हैं।–जय गोस्वामी गर्मी बढ़ने के साथ ही आवारा कुत्तों की समस्या भी बढ़ती जा रही है। पिछले दिनों में कई लोग कुत्तों के काटने से घायल हो चुके हैं। इनकी धरपकड़ जरूरी है।–राजू खरवार कुत्ता काटने पर एंटी रैबीज इंजेक्शन लगवाना जरूरी होता है लेकिन सभी सरकारी अस्पतालों में यह सुविधा उपलब्ध नहीं हैं। लोगों को बेली या कॉल्विन जाना पड़ता है।–राजेन्द्र कुमार कुत्ते कई लोगों को काट चुके हैं। इनका झुंड साइकिल सवार एवं बाइक चालकों को काटने के लिए दौड़ता है जिससे बचने के प्रयास में लोग गिरकर घायल हो रहे हैं।–अयोध्या प्रसाद द्विवेदी कुत्तों की बढ़ती संख्या चिंता बढ़ा रही है। नगर निगम आवारा कुत्तों को पकड़कर जंगल में छोड़े और सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज इंजेक्शन की व्यवस्था की जाए।–शंभूनाथ कुत्तों की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए इनका बंध्याकरण करना बेहद जरूरी है। जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे समस्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।– विजय कुमार वर्मा आवारा कुत्तों की समस्या बढ़ रही है। इनकी धरपकड़ के साथ सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाए तो लोगों को काफी राहत मिलेगी।–सुनील कुमार गुप्ता बोले जिम्मेदार आवारा कुत्तों के बंध्याकण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 12 मई से चल रहे कार्यक्रम में अब तक करीब 40 कुत्तों का बंध्याकरण किया गया है जिसमें नर एवं मादा दोनों शामिल हैं। करेली हड्डी गोदाम के पास बंध्याकरण केंद्र तैयार है जिसका शीघ्र शुभारम्भ होना है। इसके चालू होते ही कार्य में और तेजी आ जाएगी।– डॉ. विजय अमृतराज, पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी, नगर निगम

पहले जमीन के नाम पर लाखों रुपये ठगे, फिर थमाया फर्जी नौकरी का नियुक्ति पत्र

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में हाईकोर्ट के अधिवक्ता अखिलेश शर्मा से जैतवारडीह थरवई के एक व्यक्ति और उसके दो पुत्रों ने मिलकर जमीन के नाम पर छह लाख रुपये की ठगी कर ली। वहीं रुपये वापस मांगने पर आरोपी पुरुषोत्तम लाल ने खुद को फाफामऊ के इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य होने की हवाला देते हुए अधिवक्ता को लाइब्रेरियन के पद पर नियुक्त का फर्जी ज्वाइनिंग लेटर थमा दिया। पैसे वापस मांगने के समय आरोपी गायब हो गए। परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जार्जटाउन थाने की पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार बैरहना निवासी अधिवक्ता अखिलेश शर्मा की तहरीर के अनुसार वर्ष 2018 में साथी अधिवक्ता के माध्यम से पुरुषोतम लाल से मुलाकात हुई थी। आरोपी ने खुद को

बाल निकेतन इंटर कॉलेज का प्राधानाचार्य बताते हुए जैतवारडी में जमीन दिलाने के नाम पर छह लाख रुपये लिखा–पढ़ी के साथ जमा कराया। लेकिन, जमीन की बैनामा नहीं होने पर रुपये वापस मांगने पर पहले कई साल तक टालमटोल करता रहा।

फिर तिलक शिक्षण संस्थान जूनियर हाईस्कूल अल्लापुर में लाइब्रेरियन के पद पर नियुक्ती का फर्जी दस्तावेज थमा दिया। नियुक्ति पत्र लेकर विद्यालय जाने पर पता चला कि पुरुषोत्तम लाल खुद प्रधानाचार्य नहीं है। साथ ही नियुक्ति पत्र के फर्जी होने की जानकारी मिली। पीड़ित ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

वर्क प्रॉम होम के नाम पर युवती से हुई ठगी

प्रयागराज के एलनगंज की रहने वाली वर्णिका शुक्ला ने पुलिस को बताया कि छह अप्रैल को उन्होंने एक ऑनलाइन पोर्टल पर वर्क प्रॉम होम नौकरी के लिए खुद को पंजीकृत किया था। इसके बाद ठगों ने नौकरी के नाम पर उनसे कुल 37,200 रुपये की ठगी कर ली। कर्नलगंज पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। मामले में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दो महीने के अंदर दो मेधावियों ने मौत को गले लगाया

प्रयागराज। शहर के दो प्रतिष्ठित तकनीकी शैक्षिक संस्थानों में लगभग दो महीने के अंदर दो मेधावियों ने मौत को गले लगा लिया। दोनों होनहार इंजीनियरिंग छात्रों की मौत से व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपलआईटी) और मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) में छात्रों के आत्महत्या की दोनों घटनाओं से यह सवाल उठता है कि ऐसा कौन सी परेशानी थी जिसका दोनों छात्र सामना नहीं कर सके, कहीं इसके लिए उनके अभिभावकों की अपेक्षाओं का बोझ या पढ़ाई का दबाव तो जिम्मेदार नहीं? खास बात यह है कि दोनों ही छात्र बीटेक प्रथम वर्ष के थे।

बात दें कि 29 मार्च को ट्रिपलआईटी के छात्रावास की

पांचवीं मंजिल से दिव्यांग (मूकबधिर) बीटेक छात्र मडला राहुल चौतन्य ने कूदकर जान दे दी थी। ट्रिपलआईटी प्रबंधन ने घटना की जांच के लिए कमेठी गठित की थी। खुदकुशी करने वाले तेलंगाना के 20 वर्षीय मडला राहुल चौतन्य ने जेईई में 52वीं रैंक प्राप्त कर ट्रिपलआईटी में बीटेक इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) में प्रवेश लिया था। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के छह पेपर में बैक आने से वह काफी दिनों से तनाव में था। जन्मदिन से एक दिन पहले राहुल ने मौत को लगे लगा लिया था। इसके 55 दिन बाद एमएनएनआईटी में गुरुवार को बीटेक प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर कम्पयूटर साइंस के छात्र निकेश कुमार रोहिदास ने विवेकानंद हॉस्टल के कमरा संख्या 101 में फांसी लगाकर जान दे दी। इन संस्थानों में प्रवेश लेने वाले मेधिवयों को जेईई की परीक्षा उत्तीर्ण करना होता है। संस्थान के चीफ वार्डेन प्रो. नरेश कुमार ने कहा कि विवेकानंद छात्रावास में निकेश कुमार रोहिदास निवासी सेनेरिया जांजगीर छत्तीसगढ़ बीटेक प्रथम वर्ष कंप्यूटर साइंस ब्रांच के छात्र ने आत्महत्या कर ली। इस दुरूखद घटना से संस्थान प्रशासन आहत है। दिवंगत छात्र के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

क्षेत्रीय अभिलेखागार के दुर्लभ दस्तावेज डिजिटल होंगे

प्रयागराज। क्षेत्रीय अभिलेखागार में संरक्षित सैकड़ों वर्ष पुराने दुर्लभ दस्तावेजों को डिजिटल किए जाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए यूपी डेवलपमेंट सिस्टम कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपी डेस्को) चरणबद्ध तरीके से अभिलेखों को डिजिटल करने की योजना पर कार्य कर रहा है। उसी क्रम में सबसे पहले राजा बनारस के दरबार में ईस्ट इंडिया कंपनी के रेजीडेंट रहे जोनाथन डंकन के अभिलेखों के एक हजार से अधिक वॉल्यूम को डिजिटल करेगा। अभिलेखागार के दुर्लभ दस्तावेजों को डिजिटल करने के लिए शासन ने यूपी डिस्को को जिम्मेदारी सौंपी है। जिसमें डंकन रिपोर्ट के सौ दस्तावेज पर बार कोड लगाया जा चुका है।

पहले चरण में इस वर्ष के अंत तक रिपोर्ट के कुल 1284 वॉल्यूम को डिजिटल किया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण में अन्य दस्तावेजों पर बार कोड लगाने का कार्य शुरू होगा। अभिलेखागार के प्राविधिक सहायक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि डंकन श्रृंखला के दस्तावेज वर्ष 1785 से 1795 तक के हैं, जिन्हें कार्यालय में संरक्षित करके रखा गया है। कंपनी ने उन्हें राजा बनारस के दरबार में शासन की निगरानी के लिए रेजीडेंट नियुक्त किया था। उन्होंने अपने प्रशासनिक कार्यालय के जरिए उस दौर में बनारस की बाजार व्यवस्था, राजस्व के स्रोत व पुराने कस्बों के विकास को लेकर दस्तावेज तैयार कराए थे। अभिलेखागार के प्रभारी गुलाम सरवर ने बताया कि यूपी डेस्को ने डिजिटाइजेशन का कार्य शुरू कर दिया है। हमारा प्रयास है कि इस वित्तीय वर्ष में पहले चरण का कार्य पूरा हो जाए।

खुद को कमरे समेटे रखता था

प्रयागराज। एमएनएनआईटी के निकेश ने आत्महत्या क्यों की, यह अभी यक्ष प्रश्न है। पुलिस उसके सहपाठियों, रूम मेट और उसके मोबाइल के जरिए कारणों का पता लगाने में जुटी है पर सहपाठियों और शिक्षकों की मानें तो वह पढ़ाई में अपने खराब प्रदर्शन को लेकर काफी परेशान था। काफी समय से उसने खुद को एक कमरे में समेट लिया था और अंततरू जिस दिन परीक्षा खत्म होनी थी, उस दिन उसने मौत को गले लगा लिया। मृत छात्र निकेश कुमार की आत्मा की शांति के लिए संस्थान में शोक सभा का आयोजन हुआ। इसमें निदेशक प्रो. आरएस वर्मा, चीफ वार्डन प्रो. नरेश कुमार, कुलसचिव प्रो. रमेश पांडेय सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। इस घटना को शिक्षकों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

हर रविवार करिए प्रयाग के धार्मिक स्थलों के दर्शन

प्रयागराज। अगर आप प्रयागराज के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के तीर्थों का दर्शन करना चाह रहे हैं तो पर्यटन निगम यह सुविधा प्रदान करने जा रहा है। आपको ना केवल ऐसे स्थलों पर पैकेज के जरिए दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है बल्कि उन स्थलों से संबंधित जानकारियां भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके लिए प्रत्येक रविवार को प्रयागराज के सात स्थलों पर जाया जाएगा। उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम लखनऊ मुख्यालय ने महाकुम्भ की भव्यता के बाद तीर्थों का दर्शन कराने के लिए योजना 18 अप्रैल को विश्व विरासत दिवस के अवसर पर बनाई थी। इसके तहत प्रयाग में सात स्थलों का चयन किया गया है। पर्यटकों को पंद्रह–पंद्रह सीटर एसी बसों से दर्शन व भ्रमण कराया जाएगा।

नवागंतुक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार का व्यापारी नेताओं द्वारा किया स्वागत

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि के प्रदेश उपाध्यक्ष मंडल प्रभारी कृष्ण गोपाल मित्तल,संयुक्त व्यापार संघर्ष समिति अध्यक्ष संजय मिश्रा,प्रदेश मंत्री सरदार बलविंदर सिंह,जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी,जिलाध्यक्ष सर्राफा एसो पवन

वर्मा,जिला उपाध्यक्ष अभिमन्यु मित्तल सर्राफ,जिला महामंत्री विशाल जैन,जिला युवा अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह,द्वारा जनपद के नवागंतुक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार का पटका पहनाकर व बुके भेंट करते हुए स्वागत किया गया,प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल मित्तल व अध्यक्ष संयुक्त व्यापार संघर्ष समिति संजय मिश्रा ने कहा कि नवागंतुक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक का उ० प्र० उद्योग व्यापार संगठन पदाधिकारीयो द्वारा स्वागत किया गया है,हमें पूर्ण आशा है कि उनके द्वारा व्यापारिक समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेकर प्राथमिकता द्वारा हल कराया जाएगा।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ का अधिवेशन आज

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ का प्रान्तीय द्विवार्षिक अधिवेशन, चुनाव 24 मई 2025 दिन शनिवार, समय 11.30 बजे से जवाहर भवन के सामने निदेशालय उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग सप्रू मार्ग के सभागार में प्रारम्भ होगा। निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ गृहण अपरान्ह 2.30 बजे सम्पन्न होगा। चुनाव अधिकारी हरिशरण मिश्रा अध्यक्ष राज्य कर्मचारी एसोसिएशन, सतीश कुमार पाण्डेय अध्यक्ष राज्य कर्मचारी महासंघ एवं जवाहर भवन इन्दिरा भवन कर्मचारी महासंघ होंगे।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री, श्री बृजेश पाठक को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया है। विषेष अतिथी धनन्जय शुक्ला, अपर आयुक्त राज्य कर को भी आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में वी.पी. मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष–इफसेफ, हरिकिशोर तिवारी अध्यक्ष उ.प्र. राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, हरिशरण मिश्रा अध्यक्ष राज्य कर्मचारी एसोसिएशन, सतीश कुमार पाण्डेय अध्यक्ष राज्य कर्मचारी महासंघ एवं जवाहर भवन–इन्दिरा भवन कर्मचारी महासंघ एवं एन.डी. द्विवेदी अध्यक्ष डिप्लोमा इंजीनियर संघ एवं कार्यवाहक अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, शशि कुमार मिश्रा अध्यक्ष स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ, शिवबरन यादव महामंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, गिरीश मिश्रा अध्यक्ष रोडवेज कर्मचारी परिषद, मनोज मिश्रा अध्यक्ष निगम कर्मचारी महासंघ, अतुल मिश्रा महामंत्री राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद आदि समस्त सम्मानित पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।इस अवसर पर समस्त विभागों के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघों के प्रान्तीय अध्यक्ष, प्रान्तीय महामंत्रियों एवं महासंघ के समस्त मण्डल अध्यक्ष,मण्डल मंत्रियों एवं समस्त जिला अध्यक्ष,जिला मंत्रियों सहित सक्रिय सदस्य प्रतिभाग करेगें।

जातिवादी सोच से ग्रसित कुछ वकील, बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापना का कर रहे विरोध: मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालय से शुक्रवार को ग्वालियर में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कराने का अनुरोध किया। बसपा प्रमुख ने साथ ही आरोप लगाया कि जातिवादी सोच से ग्रसित कुछ अधिवक्ताओं द्वारा मूर्ति स्थापना का विरोध किया जा रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को "एक्स" पर पोस्ट में कहा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर पीठ में अधिवक्ताओं की मांग व उन्हीं के आर्थिक सहयोग से परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की मूर्ति लगाने की अनुमति माननीय उच्च न्यायालय ने दी थी तथा अदालत के निर्देश में ही स्थान का चयन किया एवं चबूतरा बनाया गया व मूर्ति भी बनकर तैयार हुई। उन्होंने अपने सिलसिलेवार पोस्ट में आरोप लगाया किन्तु कुछ जातिवादी सोच से ग्रसित अधिवक्ताओं द्वारा मूर्ति स्थापना का विरोध किया जा रहा है। मायावती ने कहा "सोशल मीडिया पर भड़काऊ वक्तव्यों के बावजूद इन पर कार्रवाई नहीं की गई। बाबा साहेब के विरोधियों को यह समझना होगा कि सदियों से उपेक्षित बहुजन समाज अब अपना सम्मान पाना चाहता है। बसपा प्रमुख ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालय से आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कराने का अनुरोध किया।

ब्रजेश पाठक के समर्थन में लगाए गए होर्डिंग

लिखा, गुंडागर्दी और गाली–गलौज के डीएनए की रिपोर्ट जारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की सियासत में एक बार फिर होर्डिंग–पोस्टर पॉलिटिक्स गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल से डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पर की गई टिप्पणी के बाद नागरिक सुरक्षा परिषद की ओर से लखनऊ में होर्डिंग लगाए गए हैं। इनमें ब्रजेश पाठक के समर्थन में तीखे शब्द लिखकर समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला किया गया है। लखनऊ की प्रमुख सड़कों पर लगाए गए होर्डिंग में लिखा है,वर्ग विशेष का तुष्टीकरण, गुंडागर्दी, गाली–गलौज नामजवादियों के डीएनए की आ गई रिपोर्ट। आपने प्रदेश का कर दिया उपकार, ब्रजेश पाठक जी बहुत–बहुत आभार। इसके जरिए समाजवादी पार्टी की राजनीति को "गुंडागर्दी" और "तुष्टीकरण" से जोड़ते हुए, उसे नामजवादी करार दिया गया है। ब्रजेश पाठक को उपकारक बताते हुए प्रदेश में उनकी कार्रवाई और नेतृत्व को सराहा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये होर्डिंग केवल समर्थन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक जवाब भी है, जो सपा के सोशल मीडिया बयान का जवाब देने के लिए तैयार किया गया है।

नशा मुक्त युवा का संकल्प मास्टर राजपाल को सच्ची श्रद्धांजलिः प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। गांव बिटावदा में समाजसेवी स्व. मास्टर राजपाल सिंह सरावत की नौंवी पुण्यतिथि कार्यक्रम एवं गोष्ठी के आयोजन में शुक्रवार को सहरावत खाप के साथ ही अन्य खापों के चौधरियों और समाजसेवियों ने पहुंचकर समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गांव बिटावदा में आयोजित स्व. मास्टर राजपाल सिंह सहरावत की नौंवी पुण्यतिथि कार्यक्रम में पहुंचे भाकियू अराजनीतिक के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेन्द्र मलिक, गठवाला खाप के राजेन्द्र मलिक, दलाल खाप के चौधरी व राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष मनीष चौधरी दलाल, जवाला खाप के अंकित जवाला चौधरी बत्तीसा खाप से नरेश कुमार सहित राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड से सामाजिक कार्यकर्ता और खाप प्रतिनिधियों ने पहुंचकर स्व. मास्टर राजपाल सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित किये। श्रद्धांजलि के उपरांत अंगद शेरावत का सभी अतिथियों ने केक काटकर प्रथम जन्मदिन मनाया।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन ही हमें अपने परिवार और संस्कृति से जोड़ने का काम करते हैं। आज जिस प्रकार से जाति और धर्म को लेकर लड़ाई चल रही है, उसमें इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों में सभी का जुड़ाव ही हमें सामाजिक एकजुटता के लिए प्रेरित करता है, यहां पर जुटी सरदारी ने युवाओं को नशा मुक्ति का संदेश देकर एक स्वस्थ समाज की स्थापना के लिए काम का रास्ता दिखाया है। सामाजिक एकता ही देश की मजबूती है और हमें

जाति व धर्म से पहले अपने देश के उत्थान में योगदान के बारे में सोचना चाहिए। सहरावत खाप ने स्व. मास्टर राजपाल सिंह के संकल्प को चरितार्थ के लिए प्रतिबद्धता जताई है, इससे बुजुर्गों के प्रति सम्मान जताने का प्रेरक संदेश देकर युवाओं का मार्गदर्शन किया गया है, जो सराहनीय है।

सहरावत खाप के राष्ट्रीय संयोजक एवं प्रदेश अध्यक्ष संजीव सहरावत ने कहा कि आज स्व. मास्टर राजपाल सिंह सहरावत की नौंवी पुण्यतिथि पर युवाओं को नशा मुक्त बनाने के लिए कार्यक्रम में एक मुहिम नशा मुक्त युवा, खुशहाल भारत को छेड़ा गया है। इसमें सहरावत खाप के साथ ही अन्य खापों ने भी समर्थन करते हुए सहयोग का वायदा किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशाखोरी से दूर रखते हुए सामाजिक और राष्ट्र के प्रति योगदान के लिए सहरावत खाप लगातार प्रयासों में रहेगी। दिल्ली प्रदेश के प्रधान ने कहा कि आज यहां पर सभी खापों की सरदारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सामाजिक एकता का बड़ा संदेश दिया है। युवा की समाज के प्रति गंभीर जिम्मेदारी हैं, वो उसको समझे और सहयोगी बनें यही बुजुर्गों का प्रयास है।

कार्यक्रम में चौधरी मूलचंद,चंद्रवीर मास्टर, जितेंद्र शेरावत,रामकुमार शेरावत, चौ. सतवीर सहरावत, सूरजभान, चन्द्रभान, चौ. मुख्तियार सहरावत, वजीर सिंह सहरावत, निरंजन सहरावत, रामबीर नम्बरदार, चौ. सीताराम, जीतराम, बलराम, चौ. सूरजमल, धर्मवीर सिंह, चौ. जगदीश दादरी, राम स्नेही, बलबीर सिंह, धर्मवीर सहरावत, रामनिवास, नरेन्द्र पहलवान, कृष्ण देव राठी, सुधीर कुमार पंवार, पूर्व प्रधानाचार्य महक सिंह राठी, सुनील उर्फ शीलू मलिक, अंगद सहरावत, प्रवीन मलिक सहित सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

ड्रिल अनुशासन की बुनियाद है: कर्नल प्रवीण भाल

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी एनसीसी बटालियन मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में राजकीय इण्टर कॉलेज में चल रहे एनसीसी के संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप के प्रथम सत्र में कैडेट्स को ड्रिल एवं द्वितीय सत्र में स्वास्थ्य व सफाई के बारे में जानकारी दी गई।

शुक्रवार को प्रथम सत्र में ड्रिल के बारे में जानकारी देते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल ने कहा कि एनसीसी अनुशासन की बुनियाद है। इससे कैडेट्स में स्व–अनुशासन की भावना का विकास होता है। अनुशासन के बुनियादी सिद्धांतों के लिए जरूरी है कि यह हमारे मन–मस्तिष्क में समाहित होना चाहिए। कैंप के द्वितीय सत्र में कैडेट्स को स्वास्थ्य एवं सफाई के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए लेफ्टिनेंट नावेद अख्तर ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि हमें साफ–सफाई के तरीकों व इस्तेमाल होने वाले संसाधनों के बारे में जानकारी का होना आवश्यक है। स्वास्थ्य हमारे शारीरिक और मानसिक कल्याण को दर्शाता है, जबकि सफाई हमारे आसपास के वातावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने में मदद करती है। स्वास्थ्य और सफाई हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमें अपने स्वास्थ्य और सफाई के लिए नियमित व्यायाम, स्वच्छता की आदतें, स्वस्थ आहार और कचरा प्रबंधन जैसे सुझावों का पालन करना चाहिए। इस दौरान डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल नवीन पराशर, कैंप एडजुडेंट मेजर अरविंद कुमार, लेफ्टिनेंट नितिन कुमार, लेफ्टिनेंट नावेद अख्तर, चीफ ऑफिसर सतेन्द्र तोमर, चीफ आफिसर विपिन कुमार, चीफ ऑफिसर रमन सिंह, फर्स्ट आफिसर जयवर्धन,सैकिंड आफिसर वाजिद अली सहित एनसीसी एवं सैन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

पारिवारिक मेलजोल और सामाजिक मेल-मिलाप के दिन सूने होते..!!

-चांदनी रात में न उनको सामाजिकता में घुलने की रुचि रही, न बड़े-बूढ़ों के पास बैठ कर उनसे बतियाने का समय..!!

मुजफ्फरनगर। अब देर रात किशोर और युवा तक स्वयं सजे–सजाए या अपने माता–पिता के साथ किसी भेलपुरी–पानीपुरी, चाट की थैला गाड़ी, बर्गर–पिज्जा, पाव–बड़ा, पास्ता– मैगी की दुकानों पर चटकारे लेते मिल जाएंगे! अवकाश के क्षणों में बड़े–बूढ़ों और हमउम्र के साथ समूह में बैठकर हंसी– मजाक कर आनंद लेने के दिन अब लद गए।

सायंकाल के बाद घर–आंगन, गली–मोहल्लों की चौपालें सूनी हो गईं, जहां बैठकर आपस में किस्से सुनाते, मनोरंजन करते एक दूसरे के दुखड़े के समाधान बताते, सामाजिक कार्यों की रूपरेखा की योजना बनाती महिलाएं होतीं तो गीत, भजन, पारसियां गातीं। पारिवारिक मेलजोल और सामाजिक मेल–मिलाप के दिन सूने होते जा रहे हैं।बच्चे हों, किशोर हों या युवा– सब आपसी सामाजिकता से दूर होकर दिखावटी–बनावटी दुनिया में संलिप्त होते जा रहे हैं और कुछ युवा पीढ़ी तो विभिन्न कट्टरतावादी क्रियाकलापों में बढ़ती, उलझती जा रही है। आज ये, कल वह, परसों वह, नरसों वह। कार्यक्रमों में इस तरह लपककर शामिल होते हैं, मानो इससे उसे कोई खजाना मिल जाएगा। इसके अलावा, उसे कहीं दूसरी ओर देखने की फुर्सत नहीं। चांदनी रात में न उनको सामाजिकता में घुलने की रुचि रही, न बड़े–बूढ़ों के पास बैठ कर उनसे बतियाने का समय। गर्मी की छुट्टियों में अपने नाना–मामा, दादा–चाची के यहां आमों के बगीचे या नदी किनारे आमों से लदे पेड़ों से हवा के हल्के झोंकों से गिर जाने वाले इक्के–दुक्के पीले–पीले पके आम वे देख नहीं पाते।

फन रिपब्लिक मॉल में शुरू हुआ मैंगो फेस्टिवल

बंगनपल्ली, अल्फांजो, तोतापुरी, सिंधुरा, मल्लिका, राम केला आम मैंगो फेस्ट को बनाएंगे खास

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ का प्रसिद्ध शॉपिंग गंतव्य फन रिपब्लिक मॉल इस चिलचिलाती गर्मी में लखनऊवासियों के लिए राहत के आम लेकर आया है। जी हां, फन रिपब्लिक मॉल में 23 मई से 25 मई तक मैंगो फेस्टिवल की शुरुआत हो चुकी है। जानी–मानी शेफ नंदनी मोतियानी ने 23 मई को मैंगो फेस्ट का उद्घाटन किया।

गर्मी की छुट्टियों की शुरुआत हो चुकी है। ऐसे में पैरेंट्स के लिए बच्चों का मनोरंजन करना जरूरी हो जाता है। फन रिपब्लिक मॉल ने पैरेंट्स की चिंता दूर करने का काम किया है और 23 मई से 25 मई तक मैंगो फेस्ट का आयोजन किया है, जिसमें ग्राहक मॉल आएं और इस चिलचिलाती गर्मी में मैंगो फेस्ट का आनंद लें।

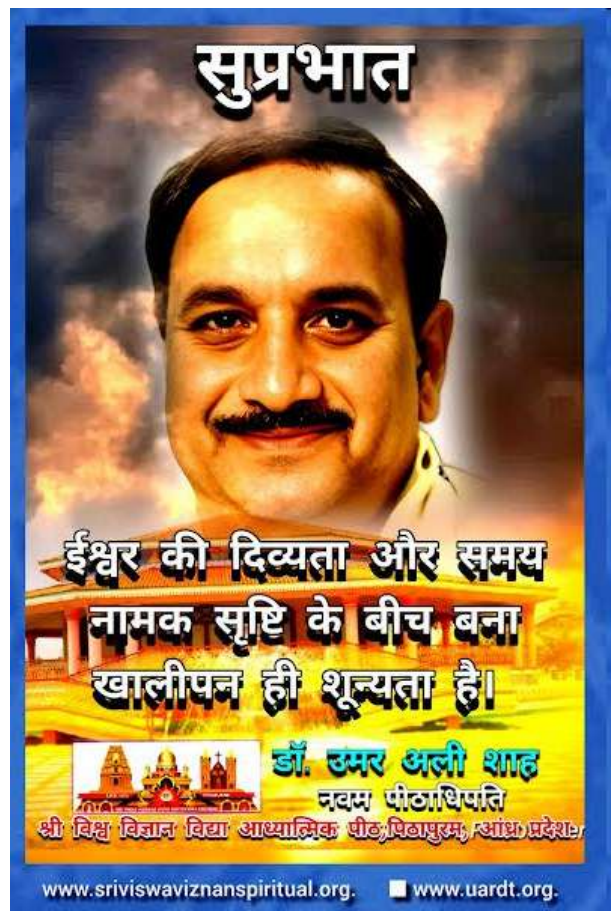

गर्मी लगती है सुखद

(कुण्डलिया)

गर्मी लगती है सुखद, करती पूर्ण मुराद।
बन्द हुए स्कूल जब, फिक्र हुई आजाद।
फिक्र हुई आजाद, किताबों से पा फुरसत।
बच्चे करते शोर, मातु अब बरतो नर्मी।
एक वर्ष के बाद, सुखद पल लायी गर्मी।।

माँ, नानी के घर चलो, या दादी के पास।
गरमी की हैं छुट्टियाँ, दोनों ही हैं ख़ास।
दोनों ही हैं ख़ास, प्रतीक्षा करती रहतीं।
दादी करती प्यार, कहानी नानी कहतीं।
सुन लो कहें प्रदीप,वहाँ की बात निराली।
उछल–कूद में छूट, दिलाती दादी–नानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सीबीआई के सब इंस्पेक्टर पर धनुष–बाण से हमला,गंभीर रूप से घायल

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के सीबीआई में तैनात सब–इंस्पेक्टर वीरेंद्र पर धनुष–बाण से हमले की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। घायल होने पर सब इंस्पेक्टर को लखनऊ के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। घायल सब इंस्पेक्टर का हाल जाने अफसर भी अस्पताल पहुंचे। लखनऊ के सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि दोपहर 12 बजे के करीब सीबीआई सब इंस्पेक्टर को घायल अवस्था मे लाया गया है। उनका इलाज जारी है। फिलहाल एक्सपर्ट चिकित्सकों की निगरानी में उसे रखा गया है। घटना की जानकारी मिलते ही हजरतगंज पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा कि यह हमला 1993 के एक रेलवे ट्रैप मामले से जुड़ा है। उस समय सीबीआई ने रेलवे में भ्रष्टाचार के एक मामले में मुकदमा दर्ज किया था, जिसके चलते आरोपी को रेलवे से बर्खास्त कर दिया गया था। उसी मामले की रंजिश के कारण आरोपी ने यह कदम उठाया।

यूपी मदरसा बोर्ड के रिजल्ट जारी,68 हजार स्टूडेंट्स ने दी थी परीक्षा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड के रिजल्ट शुक्रवार को जारी हो गए। इस बार 68423 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी थी। पासिंग पर्सेंट 87.66 आया है। मौलवी–मुंशी में 85.07 और आलिम में 94.62: छात्र–छात्राएं पास हुए हैं। मौलवी (सेकेंडरी अरबी), मुंशी (सेकेंडरी फारसी) और आलिम (सीनियर सेकेंडरी अरबी,फारसी) की परीक्षाएं 22 फरवरी को समाप्त हुई थीं। 17 से 22 फरवरी के बीच हुई परीक्षा के लिए 88082 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। अल्पसंख्यक कैबिनेट मिनिस्टर ओम प्रकाश राजभर दोपहर 12.30 बजे ऑनलाइन रिजल्ट घोषित कर दिया गया। पूरे प्रदेश में मौलवी, मुंशी और आलिम की परीक्षा देने वाले छात्र अपना रिजल्ट देख सकते हैं। यूपी मदरसा बोर्ड की ऑफिशियल बेवसाइट पर जाकर डायरेक्ट लिंक पर रिजल्ट देखा जा सकता है। मदरसा बोर्ड के रजिस्ट्रार आरपी सिंह ने बताया कि परीक्षा प्रदेशभर के 71 जिलों में 439 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। 150 परीक्षा केंद्रों का लखनऊ से वेब कास्टिंग के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग की गई। परीक्षा पूरी तरीके से पारदर्शी और नकल मुक्त रही है। परिणाम घोषित होने के बाद अपनी सुविधा के अनुसार छात्र विश्वविद्यालय में एडमिशन ले सकते हैं। मुंशी,मौलवी (सेकेण्डरी) में अमेठी के मोहम्मद आकिब ने पूरे प्रदेश में टॉप किया। उन्होंने 89.33 प्रतिशत नंबर हासिल किए। आलिम (सीनियर सेकेंडरी) में मुरादाबाद के फुरकान अली ने प्रदेशभर में टॉप करते हुए 95: नंबर हासिल किए। 2025 की बोर्ड परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों में 33869 छात्र और 34554 छात्राएं थीं। घोषित परीक्षा परिणामों के अनुसार, मुंशी,मौलवी (सेकेंडरी) में 42439 और आलिम (सीनियर सेकेंडरी) में 17544 छात्र–छात्राएं सफल हुए हैं।

मलिहाबाद में फांसी से लटका मिला शव, पत्नी और सालों पर हत्या का आरोप

लखनऊ, संवाददाता। मलिहाबाद के चौधराना में एक व्यक्ति की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई। उसकी पहचान वसीम (25) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अफेयर को लेकर वसीम और उसकी पत्नी शबाना के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। वसीम का शव घर में पंखे से लटका हुआ मिला। मृतक की मां सायरा ने बहू शबाना और उसके भाइयों पर हत्या का आरोप लगाया है। सायरा ने बताया– कल शाम को किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। शबाना ने अपने भाइयों को बुला लिया। शबाना ने अपने भाइयों के साथ मिलकर वसीम के साथ मारपीट की। इसकी भी सूचना थाने में दी गई थी। मारपीट के बाद आज सुबह वसीम का शव पंखे से लटका मिला।

सम्पादकीय.....

कोरोना संग जीना

दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा–हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जन–जीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल–पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी। लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई के अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की संक्रमण से हुई मौत को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि एक रोगी कैंसर तो दूसरा किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग–सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण की पिछली कई लहरों से सबक लेकर उपचारात्मक नीतियों के क्रियान्वयन व चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। इससे पहले कि वायरस अनियंत्रित हो, सरकार व स्वास्थ्य एजेंसियों को बचाव के उपाय युद्ध स्तर पर करने चाहिए। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था। जीवनदायिनी ऑक्सीजन की उत्पादन क्षमता और भंडारण में हम अब आत्मनिर्भर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाकर हमने 140 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। हमने अपने नागरिकों को ही सुरक्षा कवच नहीं दिया, बल्कि पूरी दुनिया के अनेक देशों को भारत की वैक्सीन व चिकित्सा सामग्री देकर एक मिसाल कायम की है। दरअसल, कोरोना संक्रमण से बचने के वही उपाय हमें सुरक्षा देंगे, जो हमने पिछले संक्रमण लहरों में सफलतापूर्वक अपनाए थे। इनमें साफ–सफाई का ध्यान रखना है, सुरक्षित दूरी रखनी है, अपने खानपान को सुधारना है, हाथ मिलाने व भीड़भाड़ वालों स्थानों पर जाने से बचना चाहिए। मास्क का उपयोग अनिवार्य शर्त है।

तब क्या होगा, हम देखेंगे...

डॉ. दीपक पाचपोर

रेनू भाटिया की तरह भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता नहीं बता पा रहा है कि जब कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना के बारे में अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों को बचाने की सारी कोशिशें की जा रही है, तब प्रो. महमूदाबाद और पुष्पा साथीदार पर कार्रवाई क्यों की गई।

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फैज ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया–उल–हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे गाते ही भीड़ ने इंकलाब जिंदाबाद नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी–प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों–हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली। बरसों–बरस यह नज्म जलसों–जुलूसों, धरने–प्रदर्शनों, बैठकों–सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती–जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए–एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था। लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म कोर्ट के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म श्कोर्टश में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में हम देखेंगे... नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन–फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता–अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में शसिंहासन हिलानेश और तानाशाही के दौर जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है– खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाजिमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिस नज्म पर इस वक्ख्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण–व्यवहार से सबक लेना चाहिये। फैज की बात चली है तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। प्रो. खान के खिलाफ शिकायत करने वाली हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया,एक खबरिया चौनल की एंकर के छरू बार पूछने पर भी बता नहीं पाईं कि आखिर उस पोस्ट में कौन सा शब्द, कौन सा वाक्य आपत्तिजनक था। इन्हीं मोहतरमा का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे राम रहीम को बलात्कारी कहने से बचती नजर आ रही हैं। रेनू भाटिया की तरह भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता नहीं बता पा रहा है कि जब कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना के बारे में अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों को बचाने की सारी कोशिशें की जा रही है, तब प्रो. महमूदाबाद और पुष्पा साथीदार पर कार्रवाई क्यों की गई। क्या सिर्फ इसलिए कि दोनों में से एक मुसलमान है और दूसरा अंबेडकरवादी! यह याद रखा जाना चाहिये कि हिन्दुस्तान हमेशा से उदार प्रवृत्तियों वाला देश रहा है और यहां असहमतियों–आलोचनाओं का सम्मान होते आया है। सरकार से अलग राय रखने और सवाल पूछने वालों पर बेजा कार्रवाई कर जनता को डराने की कोशिश ही न की जाये तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा।

अंधेर नगरी: फंदे के लिए गर्दन

सर्वमित्रा सुरजन

अंधेर नगरी चौपट राजा नाटक में फांसी का फंदा बड़ा और कोतवाल की गर्दन छोटी होने के कारण मोटे–तगड़े गोर्वधन दास को फांसी पर चढ़ाने की तैयारी कर ली जाती है। क्योंकि राजा को तो बकरी के मरने पर इंसाफ करना है। इसलिए जिसकी गर्दन फंदे के नाप की हो, उसे ही सिपाही ढूंढ कर ले आए। हालांकि गुरुजी ऐन मौके पर आकर अपने चेले गोर्वधन दास को बचा लेते हैं और मूर्ख राजा स्वर्ग जाने की इच्छा लिए खुद फांसी चढ़ जाता है, इस तरह अंधेर राज समाप्त होता है। मगर क्या वाकई अंधेरगर्दी खत्म हुई है। विवेकहीन शासक और निरंकुश प्रशासन की पोल खोलते इस व्यंग्यात्मक प्रहसन को भारतेंदु हरिश्चंद्र ने एक ही दिन में लिख दिया था। वे उच्च कोटि के लेखक थे, लेकिन इस रचना और आज के वक्त को देखकर लगता है कि उनकी दूरदृष्टि भी गजब की थी। 1881 में जब यह नाटक लिखा गया, तब अंग्रेजी हुकूमत थी और भारत आजादी की लड़ाई के लिए पहला बिगुल फूंक चुका था। इस लड़ाई में हिंदू–मुसलमान सब साथ थे और मुकाबला अंग्रेजों से था। अब अंग्रेजों को गए सात दशक से अधिक वक्त बीत चुका है। भारत आजाद हो गया है, उससे अलग होकर पाकिस्तान बन गया, दोनों देशों के बीच चार युद्ध हो गए हैं, लेकिन सीमा के आर–पार आम जनता अब भी विवेकहीन शासन की अंधेरगर्दी देख रही है। पाकिस्तान में तो अब फिर से सैन्य शासन की आहट सुनाई दे रही है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मात मिली है, लेकिन दुनिया में वह अलग कहानी सुनाने में लगा है। शाहबाज शरीफ ने जिस तरह युद्धविराम के बाद लगभग डींग हांकने के अंदाज में अपनी विजयगाथा दुनिया को बताई और भर–भर के अपनी सेना की तारीफ की, उससे समझ आता है कि पूरा भाषण पहले से लिखकर उन्हें पढ़ने दिया गया। अब पाक सेनाप्रमुख जनरल आसिम मुनीर की तरक्की कर उन्हें फील्ड मार्शल बना दिया गया है। इससे पहले पाकिस्तान में एक ही फील्ड मार्शल थे, जनरल अयूब खान। अयूब खान की वजह से पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही आई। अब क्या पाकिस्तान फिर सैन्य तानाशही की तरफ बढ़ रहा है, यह सवाल उठ रहे हैं। इधर पाकिस्तान से अलग हुए बांग्लादेश में भी सेना का दबदबा बढ़ रहा है। शेख हसीना से सत्ता छीनने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया बने मोहम्मद यूनुस और देश के सेना प्रमुख जनरल वकार उज–जमान के बीच दरार बढ़ती जा रही है। जनरल जमान चुनावों की तारीख जल्द घोषित करवाना चाहते हैं, और मो.युनूस इसे टाल रहे हैं। ऐसे में जनरल जमान ने कमांडरों की बैठक बुलाई है और माना जा रहा है कि फिर से तख्तापलट हो सकता है। लोकतंत्र को नकारने, बहुलतावाद की उपेक्षा करने और कट्टरपंथ पर चलने का क्या अंजाम होता है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की जनता से बेहतर कौन जानता होगा। लेकिन क्या भारत की जनता जानती है कि उसकी बेहतरी किसमें है। क्योंकि अभी जो माहौल बन चुका है, वह बिल्कुल वैसा ही है, जिसका वर्णन 1881 में भारतेंदुजी ने किया था। पहलगाम में आतंकी हमला हुआ, निर्दोष लोग मारे गए। सरकार से इंसाफ की गुहार लगाई गई। 14 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उसमें सफलता मिल ही रही थी कि अचानक अमेरिका के कहने पर युद्धविराम हो गया। सेना ने बताया पाक के आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए गए। जनता ने इस पर खुशी जताई कि इतनी जांबाज सेना उसकी हिफाजत के लिए है। फिर भी सरकार से सवाल हुए कि पाक में बैठे आतंकियों को तो मारा गया, लेकिन उन चार आतंकियों का क्या हुआ, जो पहलगाम तक चले आए। इसका कोई जवाब सरकार ने नहीं दिया, लेकिन अचानक अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. अली खान महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया गया, क्योंकि अंग्रेजी में लिखी उनकी फेसबुक पोस्ट में हरियाणा महिला आयोग को सांप्रदायिक और महिला विरोधी विचार नजर आए। प्रो.महमूदाबाद पूछते रहे कि आखिर किस जगह ऐसा लगा कि उन्होंने महिलाओं का अपमान किया है, लेकिन उन्हें जवाब नहीं मिला। उनकी गर्दन फंदे के अनुरूप दिखी होगी, तो इंसाफ की राह में उन्हें धकेल दिया गया। गनीमत है कि देश में गोर्वधनदास के गुरु जैसा विद्वान, सम्मानीय सुप्रीम कोर्ट है, जिसने प्रो. महमूदाबाद को अंतरिम जमानत दे दी। लेकिन इससे अंधेरगर्दी खत्म हो जाएगी, ऐसा लगता नहीं है। क्योंकि इस सारे प्रकरण में धयान गुनहगारों को पकड़ने से ज्यादा फंदे के लिए गर्दन तलाशने पर था और गर्दन अल्पसंख्यक की हो तो इंसाफ का जोर जरा ज्यादा दिखाई देगा। प्रो. अली खान महमूदाबाद की बड़ी सी पोस्ट में पाकिस्तान के आतंकवाद पोषण की आलोचना की गई है, फिर ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की तारीफ है कि उसने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया। इसके बाद युद्ध की मुखालफत की गई है, लिखा है– कुछ लोग बिना सोचे–समझे युद्ध की वकालत कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने (असल में) कभी युद्ध देखा नहीं है, संघर्ष क्षेत्र में रहना या वहां जाना तो दूर की बात है। किसी छद्म नागरिक सुरक्षा अभ्यास गतिविधि का हिस्सा बनने से आप सैनिक नहीं बन जाते और न ही आप कभी किसी ऐसे व्यक्ति का दर्द जान पाएंगे जो संघर्ष के कारण नुकसान उठाता है। युद्ध क्रूर होता है। और गरीब लोग इसका सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतते हैं, केवल राजनेता और रक्षा कम्पनियां ही इसका फायदा उठाती हैं। आगे उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्नल सोफिया कुरैशी की तारीफ जो दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर रहे हैं, वे भाजपा द्वारा फैलाई नफरत के शिकार लोगों का भी बचाव करेंगे। मॉब लिंचिंग और बुलडोजर न्याय में जिस तरह मुस्लिमों को बीते समय में निशाने पर लिया गया है, डॉ. महमूदाबाद ने वही लिखा है। उन्होंने आखिरी में लिखा कि दो महिला सैनिकों द्वारा जानकारियों को प्रस्तुत करने का दिखावा अहम है, लेकिन यह दिखावा जमीनी हकीकत में भी बदलना चाहिए नहीं तो यह केवल पाखंड है। इसके बाद सांप्रदायिकता से संक्रमित भारतीय राजनीति का जिक्र करते हुए उनकी पोस्ट खत्म होती है। सोशल मीडिया पर पूरी पोस्ट हिंदी में भी उपलब्ध है, पाठक चाहें तो वहां इसे पढ़ सकते हैं। लेकिन यहां भी जितना हिस्सा दिया गया है, उसमें ऐसी कोई बात नजर नहीं आती जिसकी वजह से एक प्रोफेसर और समाज के सम्मानित नागरिक पर न केवल मामला दर्ज हुआ, बल्कि गिरफ्तार भी किया गया। जबकि असल में महिला और सेना का अपमान करने वाली टिप्पणी मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह ने की, लेकिन उन पर मामला दर्ज करवाने के लिए भी हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा।

आमिर पठान के लिए दो मिनट का मौन!

सुभाष गाताडे

लातूर, सूबा महाराष्ट्र के मराठवाडा इलाके के शहर– जो अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर है– की जिन्दगी अब बदस्तूर सामान्य हो गयी होगी। बमुश्किल दो सप्ताह पहले शहर के एक हिस्से में कुछ अधिक सरगर्मी थी, जिसकी फौरी वजह एक टेलिकॉम कम्पनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी द्वारा अचानक की गयी खुदकुशी थी, गौरतलब था कि इस वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने कथित तौर पर रोड रेज की एक घटना के बाद– जिसमें उसे सांप्रदायिक गालियों का शिकार होना पड़ा था– दूसरे दिन खुदकुशी की थी। हुआ यही था कि एक कारचालक जो कथित तौर पर पत्रकार था उसकी गाड़ी एक टू व्हीलर वाले से टकरा गयी। आम तौर पर जैसे होता है कारचालक उतरा और उसने उस मसले को वही श्निपटानाश चाहा और दुपहिया चालक को धमकाने की कोशिश की। सड़क पर बढ़ते इस विवाद में जब उसे पता चला कि दुपहिया चालक आमिर पठान नामक शख्स है तो वह कथित तौर पर अधिक आक्रामक हो चला और उसने उसे यह तक पूछ डाला कि क्या वह श्पाकिस्तानी है या कश्मीरी हैश। कारचालक इतना दबंग था कि वह उस पूरे विवाद को रेकार्ड भी करता रहा और उसने दुपहिया चालक को यह कहते हुए भी धमकाया कि वह इस पूरे विवाद को इंटरनेट पर अपलोड कर देगा। टेलिकॉम कम्पनी का वह उच्च अधिकारी इस पूरे प्रसंग से इतना हताश हो चला कि डिप्रेशन में चला गया और इस बात की डर से कि उसे सड़क पर प्रताड़ित करने का विडियो आनलाइन हो जाएगा, उसने दूसरे दिन शाम को आत्महत्या की। जाहिरा तौर पर सड़कों पर होने वाली रोजमर्रा की तमाम घटनाओं की तरह जहां लोगों की असभ्यता और दबंगई खुल कर सामने आती है , यह घटना भी भुला दी जाती लेकिन सड़क पर सांप्रदायिक गालीगलौज और प्रताड़ित करने के इस प्रसंग का एक किस्म से अप्रत्यक्ष गवाह आमिर की पत्नी बनी, जब धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत आमिर की पत्नी समरीन ने इस घटना के दौरान ही उसे कॉल किया था, यह बताने के लिए कि वह अगले संविधान चौक पर खड़ी है और दोनों वहीं से साथ घर चलेंगे। फोन पर इसी संभाषण के दौरान उसने एक अजनबी आवाज को सुना था जो उसके पति को धमका रहा था. आमिर पठान की मृत्यु हुए दो सप्ताह हो गए है। इस पूरे प्रसंग में आखिरी बात यही सुनने को मिली थी कि समरीन ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है, जिसमें प्रताड़ित करने वाले व्यक्ति का नाम और गाड़ी नम्बर में लिखा है, मगर पुलिस ने एक तरह से बिना किसी व्यक्ति का नाम दर्ज किए रिपोर्ट दर्ज की है। उसका यह भी कहना है कि घटना को लेकर कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है कि फलां व्यक्ति के चलते मुझे आत्महत्या के लिए मजबूर होना पड़ा और घटना का कोई गवाह भी सामने नहीं आया है। इस बात की भविष्यवाणी करने मे कोई मुश्किल नहीं होगी कि समरीन के सामने न्याय पाने का एक बेहद लम्बा और लगभग अकेला रास्ता पड़ा है, क्या उसे न्याय मिल सकेगा? गौरतलब है कि आमिर पठान को सड़क पर सरेआम जिस प्रताड़ना से गुजरना पड़ा भारत की सड़कों की आम परिघटना हो चली है, जहां अक्सर हम यह भी सुनते हैं कि ऐसे घटना की परिणति आपसी मारपीट यहां तक कि कई बार हत्या तक पहुंचती है। आमिर के साथ उसकी धार्मिक पहचान का पहलू भी जुड़ गया। ढेर सारी रिपोर्टें प्रकाशित हुई हैं कि 21 वीं सदी की इस तीसरी दहाई में धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों के लिए हिन्दोस्तां के अंदर एक सम्मान का जीवन जीना और समान नागरिक के तौर पर अपनी जिन्दगी बिताना अधिकाधिक मुश्किल हो चला है। विश्लेषकों ने इस बात को भी रेखांकित किया है कि सत्ता के उच्चपदस्थ लोग भी अपने वक्तव्यों और मौन से ऐसी कार्रवाइयों को हवा देते हैं। कुछ साल पहले सत्ता पर बैठे ऐसे ही व्यक्तियों द्वारा उन्हें कपड़ों से पहचाने जाने वाले, चार–चार शादियां करने वाले के तौर पर लांछन लगाते सुना गया था। आमिर के साथ जिस दिन यह हादसा हुआ, वह वही दौर था जब पहलगाम आतंकी हमला हो चुका था और देश भर से यह खबरें भी आ रही थीं कि किस तरह भारत में कश्मीरियों और मुसलमानों पर हमले की घटनाओं में उछाल आया था। विभिन्न नागरिक अधिकार संगठनों ने ऐसी घटनाओं का बाकायदा दस्तावेजीकरण भी किया है और ऐसे मामलों की सूची तक पेश की है कि किस तरह देशभर में नफरती हमले हुए, लोगों को मारा पीटा गया, कहीं–कही हत्याएं भी हुई। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन आफ सिविल राइटस ने अपनी रिपोर्ट में ऐसे 184 मामलों की सूची बनायी है जहां देश भर में मुस्लिमों के खिलाफ नफरती हिंसा हुई, उन्होंने 22 अप्रैल 2025 से 8 मई 2025 में मीडिया में प्रकाशित ऐसी रिपोर्टों को अपना आधार बनाया है। उनके मुताबिक ऐसी घटनाओं में 84 घटनाएं नफरती वक्तव्यों की थी, 39 हमले की घटनाएं थी, 19 घटनाओं में अल्पसंख्यकों के मकानों या दुकानों को आग के हवाले किया गया और हत्या की तीन घटनाएं थीं। हम यह भी पाते हैं कि पहलगाम की प्रतिक्रिया के नाम पर मुसलमानों पर ऐसे व्यक्तिगत, स्वतरूस्फूर्त हमलों के अलावा, धर्मांध ताकतों ने– जो हिन्दुत्व वर्चस्ववादी संगठनों से ताल्लुक रखती हैं या उनके निर्देश पर काम करती है , उन्होंने देश भर ऐसे कारनामे किए ताकि देश का सांप्रदायिक माहौल और बिगड़ जाए, आपसी दंगे शुरू हो, गनीमत यही थी कि आम लोग उनके बहकावे में नहीं आए। आमिर पठान की मौत की खबर जल्द ही भुला दी जाएगी। चिर बैरी पाकिस्तान के साथ युद्ध के अधबीच में ही समाप्त हो जाने और जिसके लिए राष्ट्रपति ट्रम्प की कथित मध्यस्थता की खबर से आहत प्रबुद्ध समाज के एक बड़े हिस्से के लिए लातूर की यह अदद मौत क्या मायने रखती है? मुमकिन है कि नागरिक अधिकारों के प्रेमी चंद लोग इस मौत को लेकर अभी भी शोकमग्न हो तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए उसे दस्तावेजीकृत कर दें। धाराशिव के प्राइवेट बैंक में कार्यरत समरिन को न्याय पाने की लड़ाई में नैतिक बल प्रदान कर दें। वैसे पूरे मुल्क में पसर रहे इस उन्माद में क्या कभी कोई कमी आएगी? ताकि किसी भी सामाजिक या धार्मिक अल्पसंख्यक के लिए इस बात की गारंटी होगी कि वह भी इस गणतंत्र का बराबर का नागरिक है, यह मसला अब विचारणीय हो चला है। फिलवक्त इस बात की भविष्यवाणी मुश्किल जान पड़ती है! यह कह सकते हैं कि समूचे समाज को एक अजीब किस्म की जड़ता, संज्ञाहीनता ने जकड़ लिया है, गोया समूचा समाज सुन्न हो चला है। हमारे हुक्मरान अक्सर बताते रहते हैं कि यह एक नया भारत है, लेकिन क्या पूछा जा सकता है कि क्या इसी भारत का हमें इन्तजार था, जहां संविधान की कसमें खाकर पद संभाले लोग मुल्क के नागरिकों के एक हिस्से को घुसपैठिया कहते हैं या दीमक के तौर पर सम्बोधित करते हैं। क्या यह कहना मुनासिब होगा कि उम्मीदों का हमारा गणतंत्र रफता–रफता डर के गणतंत्र में तब्दील हो चला है। हम चाहें ना चाहें इतिहास ने हमारे कंधो पर एक बड़ी जिम्मेदारी डाली है।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाएंगे साउथ सुपरस्टार धनुष, कान्स 2025 में हुआ ऐलान

> कान्स फिल्म फेस्टिवल २०२५ में हाल ही में यह घोषणा की गई कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर बायोपिक बनायी जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओम राउत करेंगे। वहीं धनुष इस फिल्म में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभायेंगे।

सुपरस्टार धनुष ने हमेशा अपनी दमदार एक्टिंग से फैंस का दिल जीता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों का ताबडतोड़ प्यार मिलता है। इन सबके बीच अब धनुष पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्टर को कलाम साब के किरदार में देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हाल ही में यह घोषणा की गई कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर बायोपिक बनायी जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओम राउत करेंगे। वहीं धनुष इस फिल्म में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभायेंगे। इस फिल्म का निर्माण अभिषेक अग्रवाल और भूषण कुमार (टी–सीरीज) कर रहे हैं, और स्क्रीनप्ले साईविन क्वाड्रास ने लिखा है। निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने कहा, हम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के एपिक लाइफ को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारे लिए एक इमोशनल पल है। मैं भारतीय सिनेमा के दिग्गज टी–सीरीज के भूषण जी, ओम राउत जी और धनुष जी के साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। हमें यह कहानी बताने का सौभाग्य मिला है और हम इस प्रोजेक्ट में अपना सब कुछ दे रहे हैं। निर्माता भूषण कुमार ने कहा– डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। टी–सीरीज के लिए ये फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, एक ट्रिब्यूट है। यह ओम राउत के साथ हमारी तीसरी फिल्म है और धनुष और अभिषेक अग्रवाल के साथ ये सहयोग और भी खास बन गया है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि है जिसने हमें दिखाया कि कैसे सपने, समर्पण और विनम्रता एक राष्ट्र के भविष्य को आकार दे सकते हैं। ओम राउत ने कहा, कलाम सर एक ऐसे नेता थे जो राजनीति के परे थे। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो शिक्षा, उत्कृष्टता और स्वदेशी इनोवेशन की ताकत के लिए जाने जाते थे। उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाना एक कलात्मक चुनौती और एक नैतिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जो ग्लोबल यूथ और खास तौर पर ग्लोबल साउथ के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ये मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है।

इस फिल्म में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभायेंगे।

अल्लू अर्जुन जूनियर एनटीआर के ट्रेनर के साथ एटली की एए22 के लिए बहाया पसीना

पुष्पा 2 द रूल के बाद, अल्लू अर्जुन एटली की अगली फिल्म में एक और रोमांचक अवतार के साथ फिल्म प्रेमियों को खुश करने के लिए तैयार हैं। इसका संभावित नाम एए22•ए6 है। इस फिल्म में अपनी भूमिका की तैयारी के लिए एक्टर अल्लू अर्जुन बड़े स्तर पर फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। उन्हें इस यात्रा में सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर लॉयड स्टीवंस द्वारा गाइड किया जा रहा है। इंस्टा फैंस को उनकी तैयारी की एक झलक देते हुए, स्टीवंस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक्टर के इंटेंस वर्कआउट सेशन की एक फोटो पोस्ट की। एए (अल्लू अर्जुन) ने स्टीवंस के बैकग्राउंड में अपनी फिटनेस वॉच की एक तस्वीर खींची। स्मार्टवॉच से पता चला कि अला वैकुंठपुरमुलू के एक्टर ने जिम में पसीना बहाते हुए 295 किलो कैलोरी बर्न की थी, जबकि उनकी औसत हार्टबीट 140 बीपीएम थी और वास्तविक बीपीएम 101 से 167 के बीच थी। स्टीवंस ने कैप्शन में अल्लू अर्जुन पीओवी लिखा। एए से पहले, सेलिब्रिटी ट्रेनर ने रणवीर सिंह, एनटीआर और महेश बाबू को किरदार के लिए उनके मनचाहा लुक पाने में मदद की थी। उन्होंने एसएस राजामौली की आरआरआर में एनटीआर के साथ काम किया, जिसमें राम चरण भी उनके साथ थे। अगर रिपोर्ट्स पर विश्वास किया जाए, तो इस अनटाइटल्ड ड्रामा में अल्लू अर्जुन डबल रोल में होंगे, जबकि पहले चर्चा थी कि फिल्म में दो हीरो होंगे। एए की टीम ने पुष्टि की है कि एए22•ए6 में अल्लू अर्जुन ही मुख्य भूमिका में होंगे। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म के निर्माताओं ने इस साल अप्रैल में बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। अपने एक्स टाइमलाइन पर, प्रोडक्शन बैनर ने लिखा, लैंडमार्क सिनेमैटिक इवेंट के लिए तैयार हो जाइए। एए22•ए6– सन पिक्चर्स की ओर से एक शानदार कृति। उन्होंने एक घोषणा वीडियो जारी किया जिसमें फिल्म पर काम कर रहे विश्व स्तरीय तकनीशियनों ने स्क्रिप्ट के बारे में अपने विचार साझा किए। आयरन मैन 2 और ट्रांसफॉर्मर्स राइज ऑफ द बीस्ट्स जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले वीएफएक्स सुपरवाइजर जेम्स मैडिगन ने कहा, मैंने अभी–अभी स्क्रिप्ट पढ़ी है और मैं कहना चाहता हूं कि मेरा सिर अब भी घूम रहा है।

एनटीआर ने कहा– देश के हर कोने से मिल रहे प्यार और पॉजिटिविटी से अभिभूत हूं'

साउथ से लेकर नॉर्थ तक लोगों के दिलों पर राज करने वाले एनटीआर, जिन्हें प्यार से मैन ऑफ द मासेस कहा जाता है, उन्होंने वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 के टीजर से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह वाकई एक पैन इंडिया सुपरस्टार हैं। जैसे ही वॉर 2 का टीजर रिलीज हुआ, एनटीआर की सुपर–स्पाय अवतार की चर्चा हर ओर छा गई और सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। देशभर से मिल रहे प्यार से एनटीआर गदगद हैं। वे कहते हैं, "एक एक्टर होने का सबसे बड़ा आशीर्वाद यह है कि आपको लोगों से बिना शर्त इतना प्यार मिलता है। यह एक बेहद कीमती और दुर्लभ अनुभव है, और मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं कि मुझे वॉर 2 के लिए यह मिल रहा है। इस फिल्म में मेरा किरदार मेरे लिए एक नया अनुभव था, और इसको निभाने में मुझे बेहद मजा आया।" एनटीआर बताते हैं कि उन्होंने इस किरदार में अपनी पूरी जान झोंक दी है और अब जब दर्शकों की ओर से इतनी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है, तो वह बेहद रोमांचित हैं। वे कहते हैं, "यह किरदार मेरे दिल के बेहद करीब है। जब आप अपने किरदार में इतनी भावनाएं, इतनी ऊर्जा और इतनी गंभीरता डालते हैं, तो इस तरह का रिस्पॉन्स पाकर जो खुशी मिलती है, वह शब्दों में बयां नहीं की जा सकती।""वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स ने हमेशा सिनेमा और बॉक्स ऑफिस के नए मापदंड तय किए हैं, और मुझे खुशी है कि हमारी फिल्म की यह शुरुआत इतनी जबरदस्त रही है। अब 14 अगस्त को थिएटर में इस पागलपन को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार है!" आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित वॉर 2, 14 अगस्त, 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में कियारा आडवाणी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

सिंदूर वाले इंडियन लुक के बाद वेस्टर्न बनीं ऐश्वर्या राय बच्चन! काले स्ट्रैपलेस गाउन में रेड कार्पेट पर उतरी

ऐश्वर्या राय बच्चन ने कान फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपने पहले दिन के लुक से इंटरनेट पर धूम मचा दी। अभिनेत्री ने सिल्वर ज़री और रोज़ गोल्ड वर्क वाली आइवरी मनीष मल्होत्रा घ्घ्की साड़ी पहनी थी। सबसे ज़्यादा चर्चा उनके सिंदूर लुक की हुई जो काफ़ी आकर्षक थी। लेकिन जहाँ प्रशंसक अभी भी उनके पहले दिन के लुक से उबरे नहीं हैं, वहीं उन्होंने दूसरे दिन अपने लुक से फिर से इंटरनेट पर धूम मचा दी है। ऐश्वर्या, भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किए गए परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्हें अपनी बेटी आराध्या बच्चन का हाथ थामे होटल से बाहर निकलते देखा गया। उनके साथ खुद डिजाइनर भी थे। ऐश्वर्या ने बाहर खड़े प्रशंसकों की ओर हाथ हिलाकर भी देखा। ऐश्वर्या ने अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए हाथ हिलाया। इंस्टाग्राम पोस्ट में गुप्ता कहते हैं, ष्ऐश्वर्या राय बच्चन–अरब ने श्हेइरेस ऑफ क्लैमश पहना है, जो एक कस्टम क्रिएशन है जिसे ड्रेप्ड फॉर्म और आध्यात्मिक विवरण में कल्पित किया गया है। गाउन को चांदी, सोने, चारकोल और काले रंग के फटने में ब्रह्मांड के एक अमूर्त प्रतिपादन के साथ हाथ से कढ़ाई की गई है, जिसमें आयाम और प्रकाश को पकड़ने के लिए माइक्रो ग्लास क्रिस्टल का उपयोग किया गया है। केप के बारे में विवरण साझा करते हुए, उन्होंने लिखा, उसके चारों ओर बनारसी ब्रोकेड केप है जिसे भारत के वाराणसी में हाथ से बुना गया है, जिस पर भगवद गीता से एक संस्कृत श्लोक लिखा हुआ है। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि द्यद्य श्आपको अपने कर्म करने का अधिकार है, लेकिन उन कर्मों के फलों का नहीं। कर्म के फलों को अपना उद्देश्य न बनाएं, न ही अपनी आसक्ति को निष्क्रियता से जोड़ें। उन्होंने बोल्ड रेड लिप्स और ज्वेलरी में लटकते हुए इयररिंग और रिंग पहनी थी जिसमें उनका उल्टा वी रिंग भी शामिल था। अपने बालों के लिए उन्होंने अपने सिग्नेचर स्लीक हेयरस्टाइल के बजाय सॉफ्ट बीच कर्ल के साथ साइड–पार्टेड हेयर चुना। इस साल के कान फिल्म फेस्टिवल में भारतीयों की मजबूत मौजूदगी है। पायल कपाड़िया इस साल मुख्य प्रतियोगिता जूरी में शामिल हुईं। शर्मिला टैगोर और सिमी गरेवाल रेड कार्पेट पर चलीं और सत्यजीत रे की 1970 की क्लासिक अरण्येर दिन रात्रि के नए बहाल संस्करण के विश्व प्रीमियर का हिस्सा बनीं। करण जौहर, नीरज घायवान, ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा अपनी फिल्म होमबाउंड के लिए मौजूद थे।

वेबसीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' के लिए कड़ी मेहनत कर रहे अली फजल, एक्शन सीक्वेंस की तैयारी के लिए ली जूजुत्सु की ट्रेनिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस अली फजल ने इन दिनों वेबसीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसकी शूटिंग के लिए वो खूब कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने एक्शन सीक्वेंस की तैयारी के लिए इटैलियन ब्लैक बेल्ट होल्डर उम्बर्टो बारबागालो से जूजुत्सु की ट्रेनिंग ली है। राज और डीके की क्रिएटिव टीम के नेतृत्व में बन रही इस सीरीज की शूटिंग कुछ हफ्तों में मुंबई में फिर शुरू होने जा रही है। इस दौरान कई, जबरदस्त एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जिनके लिए शारीरिक रूप से फिट और तैयार रहना बेहद जरूरी है। अली फजल ने इन सीन्स को रियलिस्टिक तरीके से करने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया है। वह पिछले एक महीने से इटली के जाने–माने मार्शल आर्ट एक्सपर्ट और ब्लैक बेल्ट होल्डर उम्बर्टो बारबागालो के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, "अली शुरू से ही इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि वह एक्शन सीन के लिए खुद को ठीक से ट्रेन करना चाहते हैं। वो बॉडी डबल पर निर्भर नहीं रहना चाहते थे। इसी वजह से टीम ने उम्बर्टो को ट्रेनिंग के लिए बुलाया, जिससे अली सही तकनीक और स्टाइल के साथ तैयार हो सकें।

जानें गर्मियों में गुड़ खाने का सही तरीका, इससे नहीं होगा कोई सेहत को नुकसान

कई लोग खाना खाने के बाद डेजर्ट के तौर पर गुड़ लेना पसंद करते है। ये जितना स्वादिष्ट होता है उससे कहीं ज्यादा ये हमारी सेहत के लिए लाभदायक भी माना जाता है। हालांकि, गर्मियों के मौसम में कम से कम गुड़ का सेवन करने की सलाह दी जाती है। दरअसल, गुड की तासीर गर्म होती है इसलिए गर्मियों में गुड़ का सेवन आपकी शरीर में गर्मी को बढ़ा देता है, जिसके कारण आपको कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो गुड़ का सेवन गर्मियों में सही भी मानते हैं। अगर आपको गुड़ खाना पसंद है तो गर्मियों में कुछ खास तरीका बताया गया है, जिसे ध्यान में रखते हुए ही इसका सेवन करना चाहिए। तो चलिए अब उस तरीके के बारे में जानते हैं और इससे मिलने वाले फायदों के बारे में भी।

गर्मी में कैसे खाएं गुड़

गुड़ की तासीर गर्म होती है। इससे नकसीर की समस्या हो सकती है। लेकिन अगर गर्मी में गुड़ का तापमान सामान्य करके खाया जा सकता है। गर्मी में गुड़ खाने के लिए आप रात में एक गिलास पानी में एक टुकड़ा गुड़ मिला लें। सुबह इस पानी को पी लें। ऐसा करने से गुड़ की तासीर सामान्य हो जाती है, ऐसे में इसे गर्मियों में आसानी से लिया जा सकता है।

गर्मी में गुड़ खाने के फायदे

रोगों से राहत

गुड़ का सेवन करने से आपको कई रोगों से राहत मिल सकता है। क्योंकि इसमें जीवाणुरोधी गुण मौजूद होते है। यह खून की कमी और पाचन को भी बेहतर करने मे मदद करता है।

मजबूत हड्डियों के लिए

हड्डियों की मजबूती के लिए गुड़ का सेवन अवश्य करें। इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होती है जो आपके बोनस को मजबूत रखने में मदद करती है।

ग्लोइंग स्किन के लिए रामबाण

साफ व निखरी त्वचा के लिए आप गुड़ का सेवन कर सकते है। यह बॉडी से टॉक्सिन बाहर करता है जिसके कारण आपकी स्किन पर निखार आता है। जिससे आप और भी जवां दिखती है।

एनीमिया से बचाव

गुड़ में आयरन भरपूर मात्रा में होती है। इसका सेवन करने से आपके शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल बढ़ता है। और इस तरह करने से एनीमिया जैसे रोगों से बचा जा सकता है।

बॉडी डिटॉक्स करे

गुड़ बॉडी डिटॉक्स करने में भी कारगर माना जाता है। रोज सुबह खाली पेट गुड़ का पानी पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकल जाते हैं। गुड़ एक क्लींजिंग एजेंट के रूप में भी काम करता है।

हर उम्र की महिलाएं फॉलो कर सकती हैं ये 7 दिन का योगा प्लान, खत्म होगी जिद्दी चर्बी

यदि आप अपनी डेली रूटीन में प्राणायाम और योगासन को शामिल करती हैं, तो तनाव, डिप्रेशन और घबराहट कम करने में सहायता मिलती है। योग हार्मोन्स को बैलेंस करता है, जिससे प्रजनन स्वास्थ्य को भी फायदा मिलता है।

कई लोगों का मानना होता है कि योग सिर्फ व्यायाम है। लेकिन आपको बता दें कि योग महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। क्योंकि यह न सिर्फ आपको शारीरिक तौर पर बल्कि मानसिक और भावनात्मक तौर पर भी मजबूती देता है। रोजाना योग करने से व्यक्ति सेहतमंद बना रहता है। इससे मसल्स मजबूत होती हैं और शरीर लचीला बनता है। वहीं महिलाओं को पीरियड्स के दौरान होने वाले दर्द से भी राहत मिलती है। वहीं आजकल की जिंदगी में हर किसी को तनाव होता है। वहीं यदि आप अपनी डेली रूटीन में प्राणायाम और योगासन को शामिल करती हैं, तो तनाव, डिप्रेशन और घबराहट कम करने में सहायता मिलती है। योग हार्मोन्स को बैलेंस करता है, जिससे प्रजनन स्वास्थ्य को भी फायदा मिलता है। इससे पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है और शरीर को आसानी से पोषक तत्व मिलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सात दिन का आसान योग प्लान बताने जा रहे हैं, जो लगभग हर महिला की उम्र को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

पहला दिन

पहले दिन की शुरूआत सूर्योदय के साथ हठ योग से करें। इस दौरान गहरी सांस लेते हुए शरीर को हल्का स्ट्रेच करें। रात को सोने से पहले विपरीत करणी, सेतुबंधासन और बालासन कर तनाव को दूर कर आरामदायक नींद पाएं।

दूसरा दिन

सूर्य नमस्कार कर अपने शरीर को वॉर्मअप करें। इसके बाद नौकासन, प्लैंक और डॉल्फिन प्लैंक जैसे पोज करें। इससे आपके मसल्स की मजबूती बढ़ेगी। इसके बाद शाम को कपालभाति और अनुलोम–विलोम जैसी ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। इससे आपका मन शांत होगा और तनाव कम होगा।

तीसरा दिन

तीसरे दिन की शुरूआत विन्यास योग से करनी चाहिए। इस आसन को करने के दौरान सांसों और आसन को मिलाते हुए विभिन्न गतिविधियां की जाती हैं। इससे आपका शरीर लचीला होने के साथ संतुलित होता है। आप त्रिकोणासन, वीरभद्रासन और वृक्षासन का भी अभ्यास कर सकती हैं। वहीं शाम के समय यिन योग या हल्के स्ट्रेच कर मांसपेशियों की अकड़न को कम करें और अपने जोड़ों को लचीला बनाएं। इस दौरान बटरफ्लाई, ड्रैगन और कैटरपिलर जैसे आसनों में ज्यादा से ज्यादा रुकने का प्रयास करें।

चौथा दिन

चौथे दिन की शुरूआत यिन–यांग योग से करना चाहिए। इस आसन में एक्टिव पोज और पैसिव स्ट्रेच को मिलाया जाता है, जो शरीर की एनर्जी को बैलेंस कर शरीर को आराम देता है। वहीं शाम को ध्यान लगाने और मन को शांत रखने के लिए कुछ समय निकालें। शुरूआत में बैठकर सिर्फ ध्यान करें और अपनी सांसों पर ध्यान दें। ध्यान लगाने से न सिर्फ आंतरिक शांति बल्कि करुणा की भावना भी पैदा होती है।

पांचवां दिन

इस दिन पावर योग का अभ्यास कर शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाएं। इससे सहनशक्ति बढ़ेगी। इस दिन चेयर पोज से लेकर क्रिसेंट लंज और अधोमुखश्वानासन जैसी डायनेमिक सीक्वेंस को एड करें। फिर रात को सोने से पहले योग निद्रा या गाइडेड रिलैक्सेशन प्रैक्टिस करनी चाहिए। जिससे कि आपका शरीर और दिमाग रिलैक्स फील कर अच्छी नींद आ सके।

छठा दिन

छठे दिन की शुरूआत भुजंगासन, सेतुबंधासन और बितिलासन जैसे आसनों से करनी चाहिए। इससे पीठ की मांसपेशियां और रीढ़ की हड्डी को मजबूती मिलती है और कमर दर्द में राहत मिलती है। साथ ही आपके शरीर का पोस्चर भी ठीक रहता है। रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने और तनाव को कम करने के लिए अर्द्ध मत्स्येंद्रासन और पश्चिमोत्तानासन करना चाहिए।

सातवां दिन

वहीं सप्ताह के आखिरी दिन शरीर को मजबूत और लचीला बनाने के लिए विभिन्न आसनों का अभ्यास करना चाहिए। इस दिन आप बैठकर किए जाने वाले स्ट्रेच और उल्टे होकर किए जाने वाले आसन और खड़े होकर संतुलन बनाने वाले आसन कर सकती हैं। इससे आपका दिमाग भी चुस्त रहता है। सप्ताह के आखिरी दिन आभार और कृतज्ञता के साथ मेडिटेशन करें। पूरे सप्ताह के अनुभवों को डायरी में मेटेंन करने के साथ ही सेल्फ केयर व ग्रोथ पर ध्यान दें।

जहर बन जाती है लोहे के बर्तन में बनाई ये चीजें, खाएंगे तो हो जाएंगे बीमार

पहले एक समय था जब लोग लोहे के बर्तन का इस्तेमाल करते हैं लेकिन जैसे–जैसे समय बीता लोहे के बर्तनों की जगह एल्युमीनियम के बर्तनों ने ले ली हालांकि अभी भी कुछ चीजें लोहें के बर्तन में बनाई जाती है क्योंकि वह सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। इन बर्तनों में पका खाना आयरन भरपूर होता है लेकिन कुछ चीजें इस धातु में ना बनाई जाए तो बेहतर है क्योंकि यह खाने के सारे पोषक तत्व खत्म कर देती है तो चलिए आपको उन आहारों के बारे में बताते हैं जिन्हें लोहे के बर्तन में बनाने से परहेज करना चाहिए।

1.पालक

पालक में आयरन काफी मात्रा में होता है और इसमें एसिड की मात्रा भी बहुत ज्यादा होती है जो लोहे के साथ मिलकर रिएक्ट कर सकता है। अगर आफ इसमें पालक बनाएंगे तो पालक का रंग भी बदल जाएगा और टेस्ट भी। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व भी नष्ट हो जाएंगे।

2. चुकंदर

चुकंदर में भी आयरन की मात्रा ज्यादा होती है इसलिए लोहे के बर्तन में चुकंदर से जुड़ी कोई डिश नहीं बनानी चाहिए। चुकंदर का टेस्ट भी बदल जाएगा और रंग भी।

3.टमाटर

टमाटर में एसिड होता है जो लोहे के साथ मिल के

रिएक्ट कर सकता है और खाने के स्वाद को पूरी तरह बदल सकता है जो सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

4.अंडा

लोहे के बर्तन में अंडे से बनी भी कोई चीज ना बनाएं क्योंकि अंडे में मौजूद सल्फर, लोहे के साथ रिएक्ट करता है, जिससे उसका स्वाद और रंग बदल जाता है और कई पाचन संबंधी समस्याएं पैदा करता है।

5.नींबू

अगर लोहे के बर्तन में नींबू से बनने वाली कोई डिश बनाने की सोच रहे हैं, तो इससे बचना चाहिए क्योंकि नींबू के रस की अम्लीय प्रकृति लोहे के साथ प्रतिक्रिया कर सकती है, जिससे खाने में धातु का स्वाद मिक्स हो सकता है, साथ ही इससे आपको पेट से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं।

वॉटर एक्टिविटी के लिए बेहद शानदार है यूपी की ये जगह, जानें से पहले जरूर जान लें ये बातें

वैसे तो आपने भारत में कई झरने देखे होंगे। लेकिन क्या आपके उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में किसी खूबसूरत झरने के बारे में सुना है। बता दें कि इस झरने को खड़ंजा फाल के नाम से जाना जाता है। इस जगह पर आने के बाद आप खुद को प्रकृति के बेहद करीब पाएंगे। खड़ंजा फाल विध्य पहाड़ी और घने जंगलों के बीच बहता है। वॉटर एक्टिविटी के लिए यह काफी अच्छी जगह है। लेकिन सुरक्षा न होने की वजह से इस जगह पर पर्यटक काफी कम आते हैं। बता दें कि बारिश के मौसम में यहां की खूबसूरती देखते ही बनती थी। एक समय पर इस जगह को दूसरा ऋषिकेष कहा जाता था। लेकिन पर्यटन स्थल के रूप में विकसित न हो पाने के कारण यहां पर अधिक पर्यटक नहीं आते हैं। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में मौजूद खड़ंजा फाल पर्यटकों की कमी को झेल रहा है। पर्यटन स्थल के रूप में विकसित नहीं होने की वजह से यहां पर पर्यटकों की संख्या न के बराबर होती है। वहीं इस जगह पर सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम नहीं हैं।

मिर्जापुर से है इतनी दूर है खड़ंजा झरना

मिर्जापुर से महज 8 किमी की दूरी पर स्थित बरकछा कलां में खड़ंजा झरना है। यहां पर बहते पानी की आवाज और पहाड़ों के बीच से आता पानी बरबस ही लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचता है। इस जगह पर सिर्फ पूर्वांचल ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों के पर्यटक भी आते हैं।

कब आते हैं पर्यटक

मानसून के समय यहां पर हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। क्योंकि बारिश में झरने का नजारा और भी अधिक खूबसूरत हो जाता है। वहीं बारिश के कारण झरने में भी पर्याप्त पानी देखने को मिलता है और आसपास मौजूद पेड़–पौधे व हरियाली इस जगह को और भी अधिक खूबसूरत बनाने का काम करते हैं।

कई लोगों की गई जान

खडंजा झरने के आसपास सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है। बता दें कि कुछ समय पहले यहां पर कई बड़े हादसे हुए, जिसमें कई पर्यटकों की जान तक चली गई। लेकिन इसके बाद भी प्रशासन की तरफ से सुरक्षा को लेकर कोई इंतजाम नहीं किया गया।

संक्षिप्त

पीयूष गोयल वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य सचिव से मिले, व्यापार समझौते पर की गई चर्चा

नई दिल्ली। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड ल्यूटनिक के साथ दूसरी बैठक की। इस दौरान दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा की। 20 मई को भी गोयल ने व्यापार समझौते के पहले चरण पर वार्ता में तेजी लाने के लिए ल्यूटनिक के साथ बैठक की थी। गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते के लिए सचिव हॉवर्ड ल्यूटनिक के साथ रचनात्मक बैठक हुई। हम हमारे व्यवसायों और लोगों के लिए अवसरों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।ष यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश 8 जुलाई तक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं। मुख्य वार्ताकारों के बीच चार दिवसीय चर्चा भी 22 मई को वाशिंगटन में समाप्त हो गई। अंतरिम व्यापार समझौते में, नई दिल्ली भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ से पूर्ण छूट के लिए दबाव डाल रही है। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 90 दिनों के लिए 9 जुलाई तक के लिए निलंबित कर दिया था। हालांकि, अमेरिका द्वारा लगाया गया 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ अभी भी लागू है। 26 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क के 90 दिनों के निलंबन के कारण, भारतीय निर्यातक वर्तमान में केवल 10 प्रतिशत आधारभूत शुल्क का भुगतान कर रहे हैं, जबकि पहले यह 26 प्रतिशत प्रस्तावित था। वर्तमान में, ट्रम्प प्रशासन को टैरिफ को MFN (सबसे पसंदीदा राष्ट्र) दरों से नीचे लाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी की आवश्यकता होती है। लेकिन प्रशासन के पास भारत सहित कई देशों पर लगाए गए पारस्परिक टैरिफ को हटाने का अधिकार है।

जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, 12000 करोड़ रुपये की गड़बड़ी से जुड़ा मामला

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को जेपी इंफ्राटेक, जेपी एसोसिएट्स लिमिटेड और अन्य से संबंधित पीएमएलए मामले में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई कथित तौर पर घर खरीदारों और निवेशकों के साथ लगभग 12000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और धन की हेराफेरी और डायवर्जन करने के आरोपों के बाद की गई है। यह तलाशी दिल्ली–एनसीआर और मुंबई में स्थित 15 परिसरों पर की जा रही है, जिसमें जेपी एसोसिएट्स और उसकी संबद्ध कंपनियां गौरसंस, गुलशन, महावीर और सुरक्षा रियल्टी शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को नोएडा में तीन बिल्डरों के ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी घर ख़रीदारों, निवेशकों से क़रीब 1200 करोड़ रुपये के ग़बन व फंड डायवर्सन को लेकर बताई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ईडी ने दिल्ली एनसीआर में 15 जगहों पर छापेमारी की है। मुंबई में भी कुछ ठिकानों पर छापेमारी है। ईडी की टीमें जेपी, गौड़ गुलशन बिल्डर व सुरक्षा रियलिटी के ठिकाने व दस्तावेज खंगाल रही हैं। सेक्टर 128 में जेपी बिल्डर के मार्केटिंग ऑफिस पर एक टीम पहुंची हुई है। यहां पर दस्तावेज व कंप्यूटर खंगाले जा रहे हैं। मुख्य गेट को बंद कर दिया गया है। सिर्फ़ उन्हीं लोगों को आने जाने दिया जा रहा है जिनको टीम बुला रही है।अभी बरामदगी को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई सूचना नहीं दी गई है। जांच अगले कुछ दिन तक जारी रहेगी।

शेयर बाजार में लौटी हरियाली; सेंसेक्स 487 अंक चढ़ा, निफ्टी 24750 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 219.05 अंक चढ़कर 81,171.04 पर पहुंचा; निफ्टी 111.2 अंक चढ़कर 24,720.90 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 15 पैसे गिरकर 86.10 पर आ गया। सुबह 9 बजकर 44 मिनट पर सेंसेक्स 487.61 (0.60:) अंक चढ़कर 81,443.51 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 166.50 (0.68:) अंक उछलकर 24,776.20 पर पहुंच गया।

आईटी शेयरों में दिखी खरीदारी, एशियाई शेयर बाजार में भी मजबूती

प्रमुख आईटी शेयरों में खरीदारी और एशियाई शेयर बाजारों में मजबूती के रुख के चलते शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। कारोबार की सपाट शुरुआत के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बाद में उछलकर 219.05 अंक चढ़कर 81,171.04 अंक पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 111.2 अंक चढ़कर 24,720.90 अंक पर पहुंच गया। बाद में दोनों बेंचमार्क सूचकांकों में तेजी जारी रही। बीएसई बेंचमार्क सूचकांक 411.60 अंक बढ़कर 81,363.59 पर और निफ्टी 145.15 अंक बढ़कर 24,755.75 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल, इंफोसिस, एचसीएल टेक, पावर ग्रिड, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा और नेस्ले सर्वाधिक लाभ में रहीं। सन फार्मा और महिन्द्रा एंड महिन्द्रा पिछड़ गए।

गुरुवार को अमेरिकी बाजार सपाट बंद हुआ

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक क्षेत्र में कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार मोटे तौर पर सपाट बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कहा, मार्च के निचले स्तरों से 14 प्रतिशत की गिरावट के बाद बाजार को दिशा पाने में संघर्ष करना पड़ रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि एफआईआई की सतत खरीदारी, जिसने इस तेजी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, अब खत्म हो गई है। इस महीने की 20 और 22 तारीख को एफआईआई की बड़ी बिकवाली से संकेत मिलता है कि यदि वैश्विक माहौल प्रतिकूल हुआ तो एफआईआई फिर से बिकवाली कर सकते हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए शमी के नाम पर विचार नहीं ? अर्शदीप और इस हरियाणवी गेंदबाज को मिल सकता है मौका

मुंबई। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम और नए टेस्ट कप्तान के नाम का एलान शनिवार को हो सकता है। इसी दिन चयनकर्ता टीम की भी घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस दौरे से दूर रखा जा सकता है। उनकी जगह अर्शदीप सिंह और हरियाणा के अंशुल कंबोज को मौका मिल सकता है। कंबोज पहले से ही इंग्लैंड दौरे पर जा रही भारत–ए टी में शामिल हैं। दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि सनराइजर्स हैदराबाद से खेल रहे शमी ने चोट से वापसी के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छोटे–छोटे स्पेल डाले हैं या अधिकतम 10 ओवर गेंदबाजी की है। ऐसे में बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को बताया है कि शमी टेस्ट मैच में पूरी जान के साथ बहुत सारे ओवर करने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में उनके चुने जाने पर संशय है। शमी इस सीजन सनराइजर्स के लिए भी कुछ खास नहीं कर पाए हैं। उन्होंने इस सत्र में नौ मैच खेले और सिर्फ छह विकेट लिए। शमी ने 11.23 की इकोनॉमी रेट से रन दिए। अखबार ने एक सूत्र के हवाले से कहा, श्शमी आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए चार ओवर गेंदबाजी कर रहे हैं, लेकिन बोर्ड और चयनकर्ता यह नहीं जानते कि वह एक दिन में 10 ओवर से अधिक गेंदबाजी कर सकते हैं या नहीं। इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में तेज गेंदबाजों से लंबे स्पैल की मांग हो सकती है और हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते।श रिपोर्ट का दावा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को इस सीरीज के दौरान अपना पहला टेस्ट मैच खेलने का मौका मिल सकता है। हरियाणा के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज, जिन्होंने 22 प्रथम श्रेणी मैचों में 74 विकेट लिए हैं, भी टीम में शमी की जगह लेने के लिए

उम्मीदवारों में से एक हैं। दरअसल, कंबोज को पहले ही इंडिया ए के इंग्लैंड दौरे के लिए चुना जा चुका है। कंबोज लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। राष्ट्रीय चयन समिति 24 मई को मुंबई में मुलाकात करेगी और तभी नए कप्तान के नाम का और टीम का एलान हो सकता है। शुभमन गिल कप्तान बनने की रेस में सबसे आगे हैं, जबकि जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत भी इस रेस में हैं। इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने वाले ज्यादातर खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए खिलाड़ी ही हो सकते हैं। हालांकि, इसमें एक दो ट्विस्ट या यूं कहें नए नाम देखने को मिल सकते हैं। अर्शदीप और कंबोज के अलावा साई सुदर्शन और करुण नायर को भी मौका मिल सकता है। नायर ने रणजी ट्रॉफी में नौ मैचों में 863 रन बनाए थे। इसमें चार शतक शामिल हैं। वहीं, विजय हजारे ट्रॉफी में आठ मैचों में 779 रन बनाए थे। इसमें पांच शतक शामिल हैं।

इंग्लैंड दौरे के लिए यह हो सकती है संभावित टीमः शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, करुण नायर, साई सुदर्शन, सरफराज खान, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश रेड्डी, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, हर्षित राणा, शार्दुल ठाकुर/अंशुल कंबोज, कुलदीप यादव।

अभी सिर्फ आईपीएल पर ध्यान लगा रहे हैं साई सुदर्शन, इंग्लैंड दौरे के लिए चयन पर फोकस नहीं

अहमदाबाद। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस की टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस टीम के लिए एक और खुशखबरी यह है कि कप्तान शुभमन गिल को टेस्ट प्रारूप में भारतीय टीम का कप्तान बनाया जा सकता है। इसके अलावा साई सुदर्शन को भी इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में चुना जा सकता है। सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय–ए टीम में भी शामिल किया गया है। सुदर्शन इंग्लैंड दौरे के लिये भारत ए टीम में चयन से खुश हैं, लेकिन फिलहाल उनका पूरा फोकस आईपीएल क्वालिफायर और फाइनल पर टिका है। सर्रे के लिए खेलकर एक शतक जमा चुके 23 वर्ष के सुदर्शन हाल फिलहाल में शानदार फॉर्म में रहे हैं और खूब रन बना रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को मीडिया से कहा, मानसिक तौर पर पहले हमें आईपीएल पर फोकस करना है। एक बार वह खत्म हो जाए फिर भारत ए दौरे के बारे में सोचेंगे, लेकिन मुझे खुशी है कि यह मौका मिला और मुझे यकीन है कि प्रदर्शन अच्छा रहेगा। अभी तक 13 मैचों में 638 रन बनाकर आरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर काबिज सुदर्शन ने कहा, इस समय सबसे अहम शीर्ष दो में रहना है ताकि हमें अतिरिक्त मौका (दूसरा क्वालीफायर खेलने का) मिल सके। उन्होंने कहा, श्फोकस उसी पर है। इन 13 मैचों में काफी कुछ सीखा है और कमियों पर मेहनत करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम प्लेऑफ के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सुदर्शन इस सीजन गजब का प्रदर्शन किया है और 600 से ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने 2022 में आईपीएल डेब्यू किया था और तब से चार सीजन में दो बार 500 से ज्यादा रन बना चुके हैं। विराट कोहली मौजूदा समय में भारत और आईपीएल के सबसे दिग्गज बल्लेबाज माने जाते हैं। हालांकि, कोहली को भी

दो बार आईपीएल में 500+ का आंकड़ा पार करने में छह साल लग गए थे। इस सीजन अब तक वह 13 मैचों में 53 की औसत और 156 के स्ट्राइक रेट से 638 रन बना चुके हैं। इसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल है। अभी यह सीजन खत्म नहीं हुआ है और गुजरात की टीम प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। ऐसे में सुदर्शन के पास इस आंकड़े को और आगे ले जाने का मौका है।

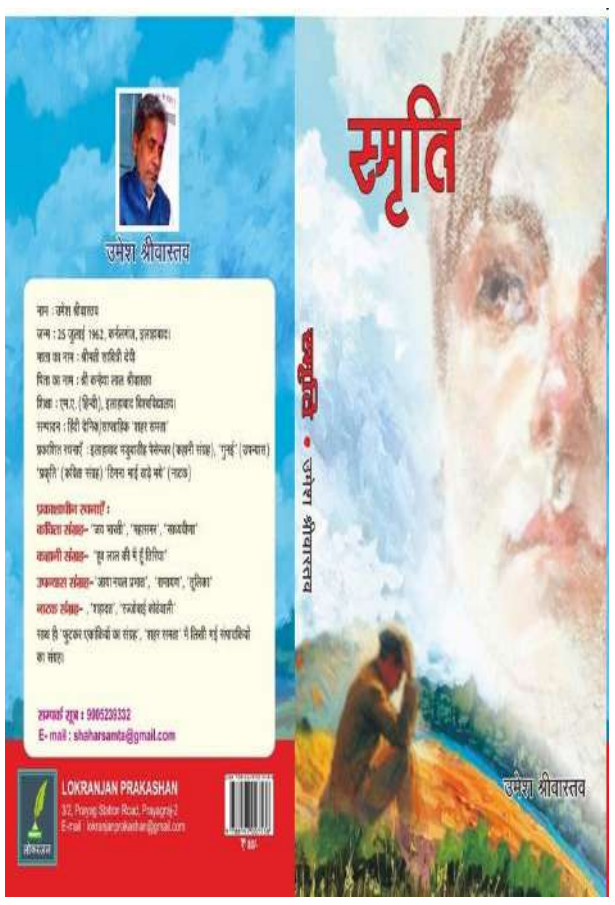

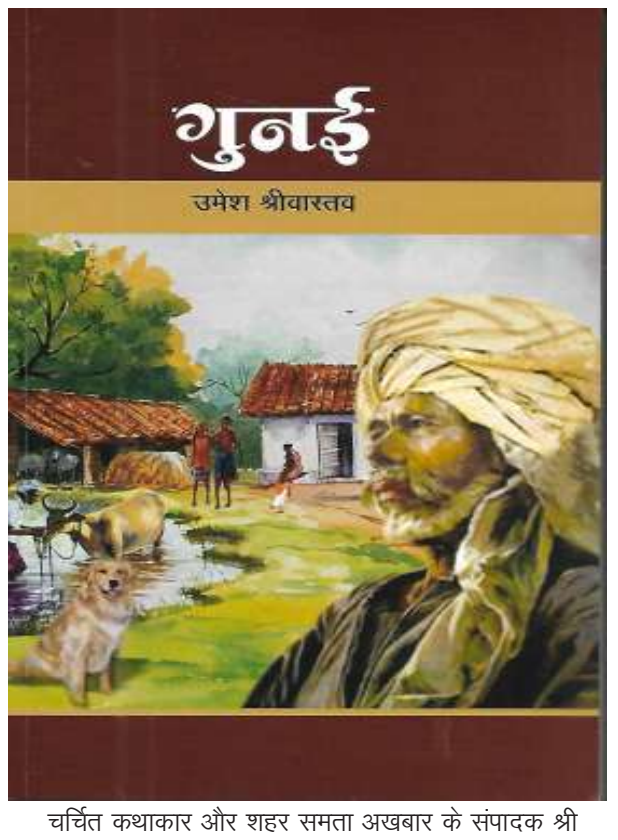

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

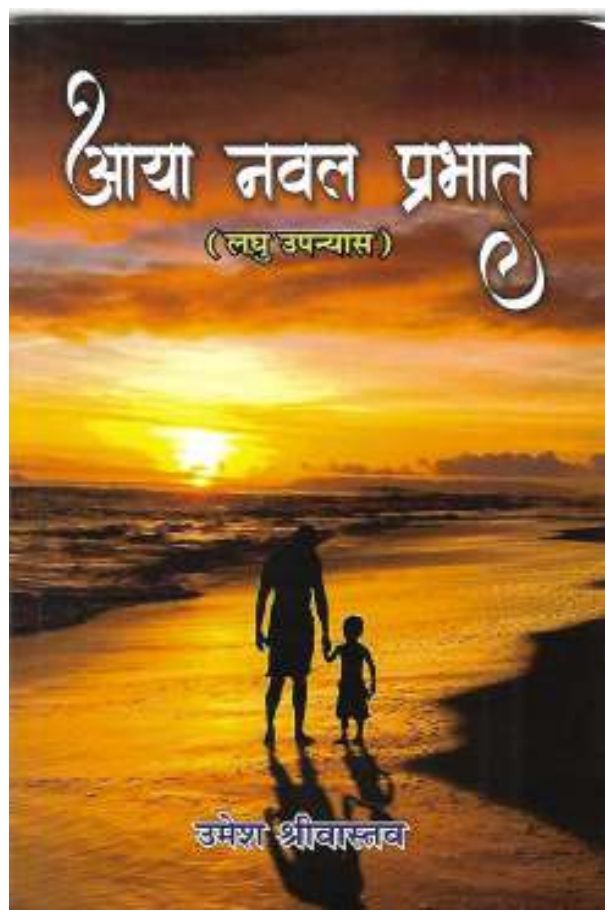

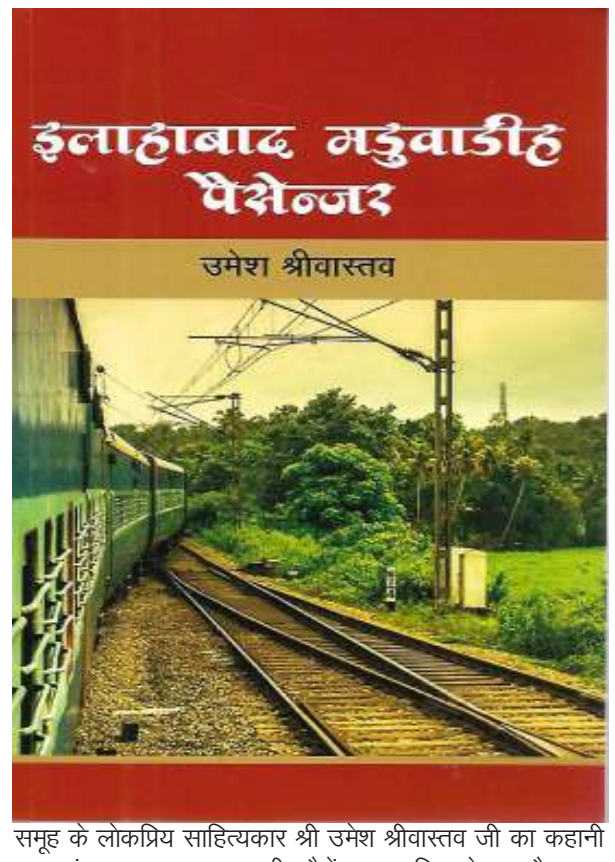

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

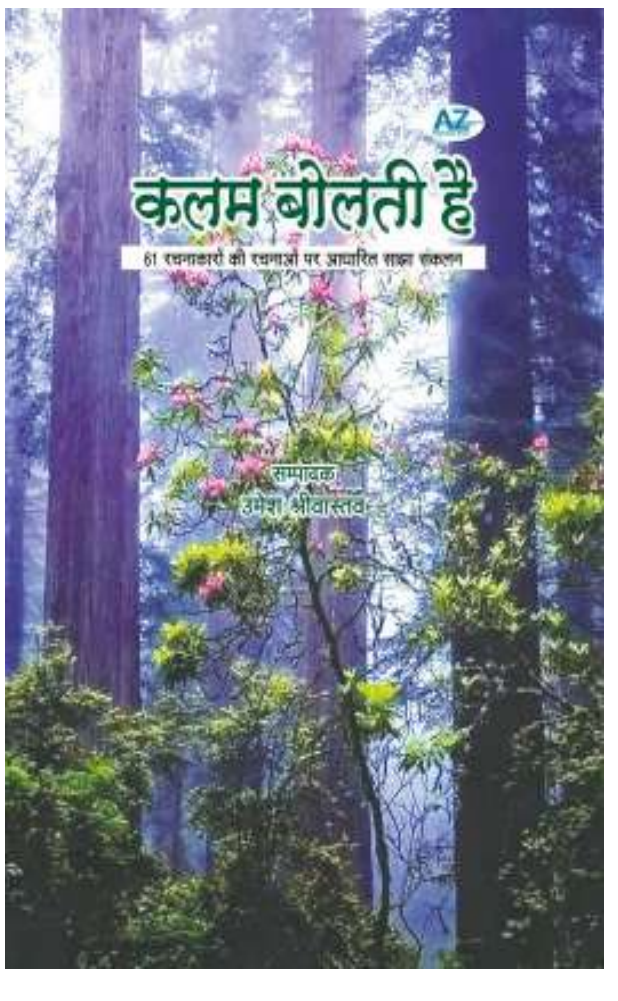

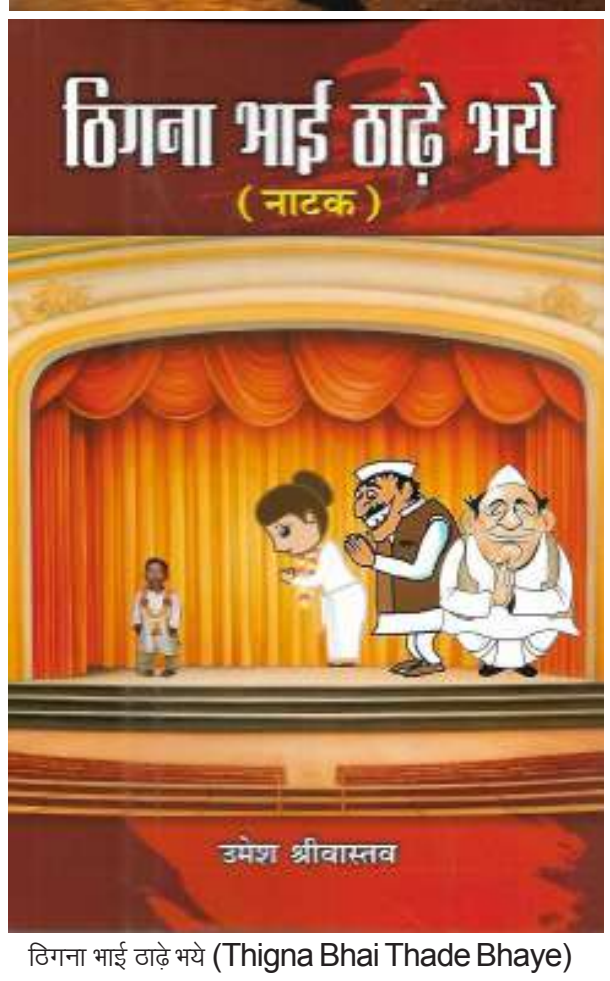

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

क्या मुहम्मद यूनुस इस्तीफा देंगे ? बांग्लादेश के सेना प्रमुख के साथ मतभेदों के बीच अटकलें तेज़ हुई, मीडिया रिपोर्ट का दावा

भारत के पड़ोसी बांग्लादेश में एक बार फिर से गतिरोध बढता दिखाई दे रहा है। लगत रहा है एक बार फिर से बांग्लादेश की सत्ता में परिवर्तन होने जा रहा है। अभी पुरी तरह से खबरों की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर–उज़–ज़मान द्वारा अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस को दिए गए अल्टीमेटम के बाद, 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता अपने पद से इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं। छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी सीपी पार्टी के प्रमुख निहद इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला सेवा को बताया कि यूनुस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें काम करना मुश्किल लग रहा है क्योंकि राजनीतिक दल एक आम सहमति पर पहुंचने में विफल रहे हैं। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस के संभावित इस्तीफे को लेकर ढाका में अटकलों का बाजार गर्म है। अफवाहों के बीच, नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने गुरुवार शाम (22 मई) को यूनुस से उनके आधिकारिक आवास जमुना में मुलाकात की। रिपोर्ट बताती है कि गुरुवार दोपहर से ही सोशल मीडिया पर यूनुस के इस्तीफे की अटकलें व्यापक रूप से फैल रही हैं, जिस पर अलग–अलग प्रतिक्रियाएं और टिप्पणियां सामने आ रही हैं। बढ़ती अनिश्चितता के मद्देनजर, नाहिद इस्लाम ने मुख्य सलाहकार से सीधे बात करने के लिए जमुना का दौरा किया। यह खुलासा नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के नेता निद इस्लाम ने दिन में पहले यूनुस से मुलाकात के बाद किया। इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला से कहा, ष्हम आज सुबह से सर के इस्तीफे के बारे में सुन रहे हैं, इसलिए मैं उनसे इस पर

चर्चा करने के लिए मिलने गया था। उन्होंने मुझे बताया कि वे इस बारे में सोच रहे हैं। उन्हें लगता है कि मौजूदा स्थिति ऐसी है कि वे काम करना जारी नहीं रख सकते।ष एनसीपी ने यूनुस से मजबूत बने रहने का आग्रह किया इस्लाम, जो इस साल की शुरुआत में यूनुस के अनौपचारिक संरक्षण में प्रमुखता से उभरे हैं, ने कहा कि मुख्य सलाहकार ने मामलों की स्थिति के बारे में वास्तविक चिंता व्यक्त की है। इस्लाम ने बताया, उन्होंने कहा कि जब तक राजनीतिक दल एक आम जमीन पर नहीं पहुंच जाते, वे काम नहीं कर पाएंगे। यूनुस की आशंकाओं के बावजूद, एनसीपी संयोजक ने उनसे दृढ़ रहने का आग्रह किया। इस्लाम ने कहा, ष्मैंने उनसे देश की सुरक्षा, इसके भविष्य और जन–विद्रोह द्वारा जगाई गई उम्मीदों का सम्मान करने के लिए मजबूत बने रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि राजनीतिक दल अंततः एकजुट होंगे और यूनुस को अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। इस्लाम ने कहा, ष्मुझे उम्मीद है कि सभी लोग साथ आएंगे और उनका समर्थन करेंगे।ष हालांकि, एनसीपी नेता ने कहा कि अगर यूनुस अपना काम नहीं कर सकते तो उनके पद पर बने रहने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा, ष्अगर राजनीतिक पार्टी चाहती है कि वे अभी इस्तीफा दे दें... तो वे क्यों पद पर बने रहेंगे, अगर उन्हें भरोसे का वह स्थान, आश्वासन का वह स्थान नहीं मिलता?ष हालांकि बैठक का विवरण अस्पष्ट है, लेकिन ढाका के सूत्रों ने न्यूज18 को बताया है कि यूनुस ने सरकार में बने रहने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। नाहिद इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया कि यूनुस इस्तीफा देने के बारे में सोच रहे हैं। इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया कि मुख्य सलाहकार ने चिंता व्यक्त की है कि देश में मौजूदा स्थिति में वे काम नहीं कर पाएंगे। इस्लाम ने बीबीसी बांग्ला को बताया, ष्उन्होंने कहा कि वे इस बारे में सोच रहे हैं। उन्हें लगा कि स्थिति ऐसी है कि वे काम नहीं कर पाएंगे।ष हालांकि, इस्लाम ने कहा कि उन्होंने यूनुस से अनुरोध किया कि वे इस्तीफे जैसा बड़ा फैसला न लें। पिछले कुछ हफ्तों से अंतरिम प्रशासन के भीतर तनाव बढ़ रहा है। उल्लेखनीय रूप से, यूनुस और बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वकर–उज़–ज़मान के बीच मतभेद तेज़ी से स्पष्ट हो रहे हैं। प्रस्तावित मानवीय गलियारे को लेकर अन्य राजनीतिक समूहों में भी असंतोष बढ़ रहा है, जो एक महत्वपूर्ण विवाद का विषय है। सूत्रों के अनुसार, सेना प्रमुख ने अंतरिम सरकार पर महत्वपूर्ण निर्णयों में सेना को दरकिनार करने का आरोप लगाया है, उन्होंने कहा कि कई कार्य उचित परामर्श के बिना किए जा रहे हैं। उन्होंने एक समावेशी चुनाव की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया है, उन्होंने सवाल उठाया है कि एक अनिर्वाचित अंतरिम सरकार शक्तिशाली बाहरी अभिनेताओं के साथ कैसे जुड़ सकती है और बिना सार्वजनिक जनादेश के बड़े फैसले कैसे ले सकती है।

संक्षिप्त

दक्षिणपश्चिम चीन में भूस्खलन के कारण चार लोगों की मौत, 17 लोग फंसे

चीन के दक्षिण–पश्चिमी गुइझोउ प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में भूस्खलन के कारण कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, बृहस्पतिवार को चांग्शी कस्बे में दो शव मिले और

पास के किंगयांग गांव में दो अन्य लोगों के शव मिले। उसने बताया कि मलबे में दबे 17 अन्य लोग अब भी लापता हैं। एक स्थानीय समाचार पत्र ने बताया कि भूस्खलन के बाद गुओवा कस्बे के अधिकांश हिस्सों में बिजली गुल हो गई। किंगयांग गांव इसी कस्बे में स्थित है। एक स्थानीय निवासी ने सरकारी मीडिया को बताया कि पूरी रात बारिश हुई थी।

खून का बदला खून से लेंगे ! इजरायली अफसरों की हत्या पर नेतन्याहू के तेवर सख्त

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को अमेरिका में दो इजरायली राजनयिकों की निर्मम हत्या की निंदा की और इजरायल के साथ खड़े होने के लिए डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद दिया। वीडियो संदेश के माध्यम से दिए गए अपने भाषण में उन्होंने कहा कि जिस आतंकवादी ने उन्हें बेरहमी से गोली मारी, उसने ऐसा केवल एक कारण से किया – वह यहूदियों को मारना चाहता था। उन्होंने तथ्यों और आंकड़ों के साथ गाजा में खाद्य सहायता न पहुंचने के दावों को खारिज किया। एक महत्वपूर्ण घोषणा में इजरायली पीएम ने कहा कि जहां तक घ्घ्बंधकों का सवाल है, हम उन्हें सुरक्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मैं और अधिक लोगों को बाहर निकालने के लिए एक अस्थायी युद्धविराम के लिए तैयार हूं, लेकिन हम मांग करते हैं, और आपको भी मांग करनी चाहिए, कि हमारे सभी बंधकों को तुरंत रिहा किया जाए। और इसलिए हर सभ्य देश को यह मांग करनी चाहिए। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी जो कि दुनिया की सबसे सुरक्षित जगह मानी जाती है। वहां से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई। बुधवार की शाम को इजरायली दूतावास के सामने दो कर्मचारियों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। ये घटना यहूदी म्यूजियम के पास हुई है। आपको बता दें कि होमलैंड सिक्योरिटी सिक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने इसकी पुष्टि कर दी है। ये यहूदी म्यूजियम वाशिंगटन डीसी में एफबीआई फील्ड ऑफिस से कुछ कदम की ही दूरी पर स्थित है। यूएस होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम के अनुसार, 21 मई की देर रात वाशिंगटन में कैपिटल यहूदी संग्रहालय के बाहर दो इज़रायली दूतावास के कर्मचारियों की हत्या कर दी गई। नोएम ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम सक्रिय रूप से जांच कर रहे हैं और साझा करने के लिए अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए काम कर रहे हैं। कृपया पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना करें। हम इस दुष्ट अपराधी को न्याय के कटघरे में लाएंगे। यूएस अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने कहा कि उन्होंने डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ कोलंबिया के लिए अंतरिम यूएस अटॉर्नी जीनिन पिरो के साथ घटनास्थल का दौरा किया।

यह उत्साहजनक है कि अमेरिका के सहयोग से भारत–पाक टकराव रोकने में मदद मिली : अमेरिका

अमेरिका ने कहा है कि यह 'उत्साहजनक' है कि उसके 'हस्तक्षेप' के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच ''लगभग पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ने'' से रुक गया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बृहस्पतिवार को संवाददताओं से कहा,''....भारत और पाकिस्तान के बीच दिक्कतों के साथ उस क्षेत्र में हिंसा और आतंकवाद के बारे में पीढ़ीगत चिंता रही है। वहां संघर्षविराम पर सहमति बनी है।'' ब्रूस ने कहा, '' हम जानते हैं कि पूर्ण पैमाने पर युद्ध छिड़ने के पूरे आसार थे और जो बात बहुत उत्साहजनक है वह यह है कि अमेरिका के सहयोग से इसे रोका गया और संघर्षविराम कराया गया जो जारी है। लेकिन निश्चित रूप से जैसा कि विश्व ने फिर देखा कि इसका समाधान नहीं हुआ है। इन

दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान की संभावना वापस आ गई है।'' उन्होंने अमेरिका और भारत के बीच संबंधों और भारत के खिलाफ पाकिस्तान में पनपते आतंकवाद पर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। ब्रूस ने कहा, ''अच्छी खबर यह है कि कुछ अन्य क्षेत्रों के विपरीत संघर्षविराम के लिए प्रतिबद्धता रही है।'' जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में बड़ी तादाद में कुपोषण से पीड़ित बच्चे भर्ती

इजराइल–हमास युद्ध की कीमत मासूम बच्चे अदा कर रहे हैं। गाजा के अस्पताल में कुपोषण से पीड़ित इन बच्चों की दशा युद्ध के अभिशाप को साफ–साफ बयां करती है। अपनी दो साल की बेटी की कमजोर बांह को पकड़कर अस्मा अल–अरजा उसका कपड़ा ऊपर करके उसकी उभरी हुई पसलियों और फूले हुए पेट को दिखाती हैं। बच्ची अस्पताल के बिस्तर पर लेटी है, गहरी गहरी सांस लेती है और फिर बेकाबू होकर रोने लगती है। यह पहली बार नहीं है जब मयार कुपोषण से जूझते हुए गाजा के अस्पताल में आई हो, लेकिन इस बार 17 दिन अस्पताल में बिताना उसके लिए काफी मुश्किल रहा। उसे सीलिएक रोग है, जो एक 'ऑटोइम्यून' विकार है जिसमें ग्लूटेन (गेहूं और जौ में पाए जाने वाला एक तत्व) के सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा प्रणालीअपनी ही स्वस्थ कोशिकाओं और ऊतकों पर हमला करने लगती है।

इसका मतलब है कि वह 'ग्लूटेन' (गेहूं, मैदा, सूजी आदि) युक्त भोजन नहीं खा सकती और उसे विशेष भोजन की आवश्यकता होती है। लेकिन 19 महीने के युद्ध और इजराइल की कठोर नाकाबंदी के बाद युद्धग्रस्त क्षेत्र में उसके लिए खाने के विकल्प बहुत कम बचे हैं और जो उपलब्ध है उसे वह पचा नहीं पाती है। खान यूनिस के नासिर अस्पताल में मयार के बगल में बैठी उसकी मां ने कहा, ''उसे डायपर, सोया दूध और विशेष भोजन की जरूरत है। सीमा बंद होने के कारण यह सरलता से उपलब्ध नहीं है, जहां ये चीजें उपलब्ध है, वहां वो काफी महंगी हैं जिन्हें मैं वहन नहीं कर सकती।'' संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी के अनुसार, मयार उन 9,000 से अधिक बच्चों में से एक है जिनका इस साल कुपोषण के लिए इलाज किया गया है और खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले साल में ऐसे हजारों मामले सामने आने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर इजराइल अपने सैन्य अभियान को नहीं रोकता है और अपनी नाकाबंदी पूरी तरह से नहीं हटाता है तो क्षेत्र में अकाल जैसी स्थिति भी आ सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले सप्ताह कहा था कि लोग पहले से ही भूख से मर रहे हैं। फलस्तीनी क्षेत्रों के लिए संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के प्रतिनिधि नेस्टर ओवोमुहांगी ने कहा, ''जहां भी देखो, लोग भूखे हैं। ... वो इशारा करके बताते हैं कि (उन्हें) कुछ खाने की जरूरत है।'' इजराइल ने नाकाबंदी में ढील तो दी है, लेकिन फलस्तीनियों तक बहुत कम सहायता पहुंची है। दो महीने से अधिक समय से इजराइल ने सभी खाद्य, दवा और अन्य सामान को उस क्षेत्र में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया है, जहां लगभग 20 लाख फलस्तीनियों की आबादी निवास करती है। गाजा में निवास करने वाले फलस्तीनी जीवित रहने के लिए लगभग पूरी तरह से बाहरी सहायता पर निर्भर हैं क्योंकि इज़राइल के आक्रमण ने क्षेत्र की लगभग सभी खाद्य उत्पादन क्षमताओं को नष्ट कर दिया है।

युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा : उत्तर कोरिया

उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने जलावतरण के दौरान अपने नए नौसैनिक विध्वंसक युद्धपोत के क्षतिग्रस्त होने की घटना के संबंध में जांच और जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार करने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पोत के क्षतिग्रस्त होने की घटना पर रोष व्यक्त करते हुए कहा था कि यह आपराधिक लापरवाही के कारण हुआ है। उत्तर कोरिया की नौसेना के लिए अहम 5,000 टन वजनी विध्वंसक युद्धपोत अपने जलावतरण समारोह के दौरान बुधवार को क्षतिग्रस्त हो गया था। इस कार्यक्रम में उत्तर कोरिया

के नेता किम जोंग उन भी शामिल हुए थे। उत्तर कोरियाई नेता किम देश के खिलाफ व्यापक होते अमेरिका नीत खतरों से निपटने के लिए बड़े युद्धपोत चाहते हैं। उत्तर कोरिया के लिए सैन्य–संबंधी असफलताओं को स्वीकार करना सामान्य बात नहीं है लेकिन पर्यवेक्षकों का कहना है कि पोत के जलावतरण के असफल रहने का खुलासा यह दर्शाता है कि किम अपने नौसैनिक कार्यक्रम के प्रति गंभीर हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) के अनुसार, 5000 टन श्रेणी का विध्वंसक पोत जलावतरण के समय 'रैंप' से फिसल गया और फंस गया जिससे युद्धपोत का संतुलन बिगड़ गया और उसका निचला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। केसीएनए ने शुक्रवार को कहा कि ''गंभीर नुकसान नहीं हुआ'' है और इसे लगभग 10 दिन में ठीक किया जा सकता है। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया के केंद्रीय सैन्य आयोग ने इस घटना की जांच शुरू करते हुए चोंगजिन शिपयार्ड के प्रबंधक हांग किल हो को तलब किया है। केसीएनए के अनुसार, आयोग ने कहा, ''युद्धपोत की स्थिति चाहे कितनी भी बेहतर क्यों न हो, यह सच्चाई बदली नहीं जा सकती कि यह दुर्घटना एक अक्षम्य आपराधिक कृत्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोग अपनी जिम्मेदारी से कभी बच नहीं सकते।''

चागोस द्वीप मॉरीशस को सौंपने से ब्रिटेन की सुरक्षा मजबूत होगी : ब्रिटेन सरकार

ब्रिटेन ने विवादित चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने के लिए बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा कि यह कदम अमेरिका–ब्रिटिश सैन्य अड्डे के भविष्य को सुनिश्चित करता है जो उसकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। हिंद महासागर द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप डिएगो गार्सिया पर सामरिक रूप से अहम नौसैनिक और बमवर्षक अड्डा स्थित है। समझौते के तहत ब्रिटेन मॉरीशस को कम से कम 99 साल के लिए अड्डे को पुनः पट्टे पर लेने के लिए प्रति वर्ष औसतन 10 करोड़ 10 लाख पाउंड का भुगतान करेगा। प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि अमेरिकी सेना द्वारा संचालित यह अड्डा ब्रिटिश आतंकवाद–रोधी और खुफिया जानकारी के लिए महत्वपूर्ण है और यह ''हमारी घरेलू सुरक्षा का आधार है।'' स्टॉर्मर ने लंदन के निकट नॉर्थवुड में ब्रिटिश सैन्य मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''अपनी शर्तों पर यह समझौता करके हम मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। ... इससे यह सैन्य अड्डा अगली शताब्दी तक अच्छे तरीके से संचालित हो सकेगा और आने वाली कई पीढ़ियों तक हमें सुरक्षित रखने में मदद करेगा।'' इस समझौते के आलोचकों का तर्क है कि दो शताब्दियों से ब्रिटिश क्षेत्र रहे इस द्वीपसमूह को छोड़ने से रूस या चीन जैसी विदेशी शक्तियों के हस्तक्षेप का खतरा पैदा हो जाएगा। इस समझौते को संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है। कंजर्वेटिव पार्टी के प्रवक्ता जेम्स कार्टलिज ने इस समझौते की कड़ी आलोचना की। यह समझौता द्वीप के कुछ मूल निवासियों के विरोध के बावजूद किया गया था। इन निवासियों को सैन्य अड्डा बनाने के लिए दशकों पहले निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले, ब्रिटेन की एक अदालत ने विवादित चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने पर ब्रिटिश सरकार पर लगाई गई रोक हटा दी थी। स्टॉर्मर और मॉरीशस के नेता नवीन रामगुलाम द्वारा बृहस्पतिवार को समझौते पर हस्ताक्षर किये जाने से कुछ घंटे पहले, उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने हस्तांतरण पर रोक लगाने के लिए एक अस्थायी आदेश जारी किया था। हालांकि, सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने कहा कि रोक हटा दी जानी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन से इस संबंध में परामर्श लिया गया था और उसने अपनी स्वीकृति दे दी, लेकिन लागत को लेकर अंतिम क्षणों में बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रूप देने में देरी हुई। ब्रिटिश साम्राज्य के अंतिम अवशेषों में से एक चागोस द्वीपसमूह 1814 से ब्रिटेन के नियंत्रण में रहा है। ब्रिटेन ने 1965 में मॉरीशस से इस द्वीपसमूह को अलग कर दिया था। मॉरीशस को इसके तीन साल बाद स्वतंत्रता मिली।

पाकिस्तान आर्मी की गीदड़भभकी, पानी रोका तो, सांसे रोक देंगे

'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत के हाथों अपमानजनक हार झेलने के बाद पाकिस्तान अब खोखली धमकियाँ देने लगा है। ये पाकिस्तान की हताशा और निराशा को साफ तौर पर दर्शाती हैं। इस्लामाबाद में तनाव स्पष्ट रूप से बहुत ज़्यादा है, क्योंकि राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व दोनों ही 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की साहसिक सैन्य प्रतिक्रिया के बाद की स्थिति का जवाब देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अब इस यूरोपीय देश का वीजा हासिल करने में हो सकती है परेशानी, रिजेक्ट पर होने नहीं मिलेगा कोई और विकल्प

जर्मनी ने अपनी वीजा नीति में बड़ा बदलाव किया है, जिसकी घोषणा कर दी गई है। जर्मनी ने ऐलान किया है कि एक जुलाई 2025 से जर्मनी के लिए अनौपचारिक वीजा अपील को खत्म किया जा रहा है। इस वीजा अपील को "त्मउवदेजतंजपवद" कहा जाता है। बता दें कि इस वीजा अपील का लाभ ये था कि जब कोई व्यक्ति जर्मनी के लिए वीजा अप्लआई करता था और वीजा रिजेक्ट होता था, तब इस विकल्प के जरिए व्यक्ति अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स दिखाकर वीजा हासिल कर सकता था। मगर अब अगर व्यक्ति का वीजा एक बार रिजेक्ट हो जाएगा तो उसके पास के विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। जर्मनी ने वीजा नीति में बदलाव किया है। इसके तहत अगर कोई व्यक्ति आवेदन करता है और उसका वीजा रिजेक्ट होता है तो उसके पास वीजा हासिल करने के लिए अन्य कोई विकल्प शेष नहीं बचेगा। उसके पास दो ही रास्ते बचेंगे, जिसमें एक तो ये की वीजा पाने के लिए नई एप्लीकेशन को फाइल किया जाए। दूसरा बर्लिन में जर्मनी के कोर्ट में औपचारिक तौर पर अपील करे। बता दें कि अगर किसी का वीजा रिजेक्ट हो जाता है तो कानूनी अपील करना आसान नहीं होता है। कानूनी मदद लेने में अधिक समय लगता है। साथ ही ये अधिक महंगी भी होती है। आमतौर पर कानूनी मदद लेने के लिए जर्मन वकील की जरुरत होती है। कई मामले ऐसे भी होते हैं जिनमें मामला सुलझाने में दो साल का समय लगता है। बता दें कि जर्मन विदेश कार्यालय की मानें तो वीजा हासिल करने का ये विकल्प हटाए जाने के बाद कई फायदे हो सकते है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।